WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

रिया चक्रवर्ती बोलीं-सुशांत ने मुझे ड्रग्स लेने को मजबूर किया

वर्षः 01 अंक : 260 | लखनऊ, बुधवार, 09 सितम्बर, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

यूपी में रविवार का लॉकडाउन भी खत्म

साप्ताहिक बंदी अब पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुसार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए राज्य में लागू वीकेंड लॉकडाउन को पूरी तरह से खत्म कर दिया है। प्रदेश में अनलॉक-4 के तहत सिर्फ रविवार को साप्ताहिक बंदी कर दी थी। अब सरकार ने रविवार की बंदी की बाध्यता भी खत्म कर दी है। यानी अब बाजारों में पुरानी व्यवस्था लागू की जा सकेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा बैठक के बाद रविवार को होने वाला लॉकडाउन भी खत्म कर दिया है। इससे पहले दो दिनों

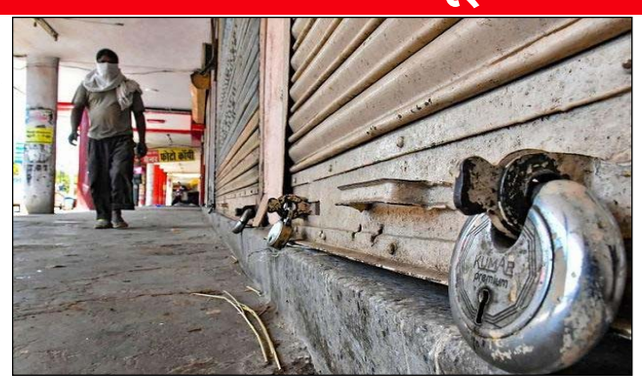

का वीकेंड लॉकडाउन शनिवार और रविवार का होता था। बीते दिनों सरकार ने शनिवार का लॉकडाउन खत्म किया था और अब रविवार का लॉकडाउन भी खत्म कर दिया गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संक्रमण के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को तेजी से बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि 'दो गज की दूरी और मास्क है जरूरी' के प्रति लोगों को विशेष रूप से जागरूक करते हुए आर्थिक गतिविधियां संचालित कराई जाएं। मुख्यमंत्री लोक भवन में उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एसजीपीजीआई, केजीएमयू तथा डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा 1,000 आईसीयू बेड्स तैयार किए जाएं। उन्होंने कन्टेनमेंट जोन में सभी लोगों का कोविड-19 टेस्ट सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक रविवार को बाजारों की प्रदेश व्यापी साप्ताहिक बन्दी के स्थान पर अब बाजारों की साप्ताहिक बन्दी पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप रहेगी। उन्होंने कहा कि कन्टेनमेंट जोन को छोड़कर अन्य स्थानों पर सभी होटल व रेस्टोरेंट का संचालन कराया जाए। इस गतिविधि में संक्रमण से सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। तहसील दिवस तथा थाना दिवस कोविड-19 की गाइड लाइन के अनुसार संचालित करने के निर्देश दिए हैं। 'ईज ऑफ डुइंग बिजनेस' रैंकिंग में उत्तर प्रदेश द्वारा द्वितीय स्थान प्राप्त किए जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इसी प्रकार 'ईज ऑफ लिविंग' की दिशा में भी कार्ययोजना बनाकर प्रयास करने की आवश्यकता है। इससे लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आएगा।

प्रति दस लाख आबादी भारत में कोरोना संक्रमण के 3,102 केस

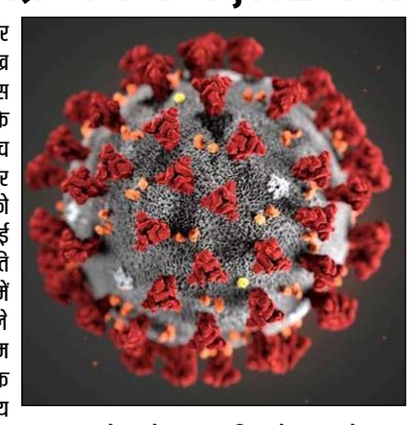

नयी दिल्ली, एजेंसी। देशभर में अब तक करीब 43 लाख लोगों के कोरोना वायरस कोविड-19 के संक्रमण के चपेट में आने के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि दुनिया के कई अन्य देशों की तुलना में प्रति दस लाख आबादी भारत में संक्रमण के मामले अपेक्षाकृत काफी कम 3,102 हैं जबकि वैश्विक औसत 3,527 है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आज आयोजित संवाददाता सम्मेलन में स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने बताया कि भारत में प्रति दस लाख आबादी संक्रमण के मामले 3,102 है जबकि वैश्विक औसत 3,527 है। उन्होंने कहा कि अमेरिका में प्रति दस लाख आबादी संक्रमण के 19,594, ब्राजील में 19,514, कोलंबिया में 13,204, स्पेन में 11,241, अर्जेंटीना में 10,798, दक्षिण अफ्रीका में 10,780, रूस में 7,063 और मेक्सिको में 4945 मामले हैं।

लद्दाख में ड्रैगन ने फिर की हिमाकत

रेजांग ला में भारत और चीन सैनिकों में आमना-सामना

लेह, एजेंसी। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर मई महीने से जारी भारत-चीन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। चीनी सैनिक लगातार घुसपैठ की कोशिश कर रहे हैं, जबकि भारतीय जवान ड्रैगन की कोशिशों को नाकाम कर दे रहे। पूर्वी लद्दाख के पैंगोंग सो के पास रेजांग ला में पीएलए (चीनी सेना) ने एक बार फिर से घुसपैठ की कोशिश की। इस दौरान कई पीएलए सैनिकों की मौजूदगी थी। रेजांग ला में चीनी सैनिक लगातार ऊंचाई वाली चोटियों को अपने कब्जे में लेने की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, भारतीय जवान उसे नाकाम कर दे रहे। भारतीय सेना के सूत्रों ने बताया कि रेजांग ला में दोनों देशों के जवानों के आमने-सामने आने के बाद भी दोनों पक्षों में तनाव को कम करने के लिए बातचीत जारी है। इससे पहले, पीएलए ने

सोमवार देर रात को आरोप लगाया था कि भारतीय सैनिकों ने एलएसी पार की और पूर्वी लद्दाख में पैंगोंग झील के पास चेतावनी देने के लिए गोलियां चलाईं। चीन के इस दावे को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था। भारतीय सेना ने पीएलए के आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि उसने कभी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पार नहीं की या गोलीबारी समेत किसी आक्रामक तरीके का इस्तेमाल नहीं किया। सेना ने कहा, यह पीएलए है जो समझौतों का खुलेआम उल्लंघन कर रहा है और आक्रामकता अपना रहा है जबकि सैन्य, कूटनीतिक एवं राजनीतिक स्तर पर बातचीत जारी है। सेना ने आगे कहा था कि सात सितंबर के ताजा मामले में, पीएलए के सैनिकों ने एलएसी के पास हमारे एक अग्रिम ठिकाने तक आने की कोशिश की और जब हमारे सैनिकों ने उन्हें रोका तो उन्होंने भारतीय सैनिकों को डराने के प्रयास में हवा में कुछ राउंड गोलियां चलाईं। पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन के बीच तनावपूर्ण महौल को चार महीने से अधिक हो चुका है। मई की शुरुआत से ही चीनी सेना लगातार उकसाने की कोशिश कर रही है। चीनी सेना ने लद्दाख के कई इलाकों में घुसपैठ की कोशिश की थी।

वेंकैया से मिला बार एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल

नयी दिल्ली, एजेंसी। बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के एक प्रतिनिधि मंडल ने उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से मुलाकात की और उन्हें संविधान के 70 वर्ष पूरा होने पर लिखी एक पुस्तक भेंट की। उप राष्ट्रपति सचिवालय ने मंगलवार को एक संदेश में यहां बताया कि बार एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष ललित भसीन, नव निर्वाचित अध्यक्ष प्रशांत कुमार, तथा कार्यकारिणी सदस्य नीना गुप्ता ने आज उपराष्ट्रपति से भेंट कर उन्हें, सेवेंटी इयर्स ऑफ कंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया शीर्षक से आलेखों का संकलन भेंट किया। इस अवसर पर उपराष्ट्रपति ने श्री प्रशांत कुमार को शुभकामनाएं दीं। यह मुलाकात उप राष्ट्रपति निवास पर हुई।

लगभग हर अंतर्राष्ट्रीय मंच में भारत की मजबूत उपस्थितिःपीएम मोदी

जयपुर, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत के उत्पाद एवं उसकी आवाज को ग्लोबल बताते हुए कहा है कि आज लगभग हर अंतर्राष्ट्रीय मंच में भारत की मजबूत उपस्थिति नजर आ रही है। श्री मोदी वर्चुअल समारोह में जयपुर में स्थित पत्रिका गेट का ऑनलाइन लोकार्पण के समय आज यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत के उत्पाद तो ग्लोबल हो ही रहे हैं, भारत की आवाज भी ग्लोबल हो रही है। दुनिया भारत को अब और ज्यादा ध्यान से सुनती है। आज लगभग हर अंतर्राष्ट्रीय मंच में भारत की मजबूत उपस्थिति है। ऐसे में भारतीय मीडिया को भी ग्लोबल होने की जरुरत है। यही वजह है कि लोकतंत्र मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि आज जब हम आत्मनिर्भर भारत की बात कर रहे हैं, वोकल फोर लोकल की बात कर रहे है तो हमारा मीडिया इस

संकल्प को एक बड़े अभियान की शक्ल दे रहा है। उन्होंने कहा कि हमे अपने इस विजन को और व्यापक करने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि आज हम अपनी विरासत और सामर्थ्य को लेकर आगे बढ़ रहे है। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज टेक्स्ट और ट्वीट के इस दौर में यह और ज्यादा जरुरी है कि हमारी नई पीढ़ी गंभीर ज्ञान से दूर न हो जाये। उपनिषदों का ज्ञान एवं वेदों का चिंतन केवल आध्यात्मिक और दार्शनिक आकर्षण का ही क्षेत्र नहीं है, वेद और वेदांत में सृष्टि एवं विज्ञान का भी दर्शन है। हमारे देश में लेखन का निरंतर विकास भारतीयता एवं राष्ट्रीयता के साथ हुआ है। स्वंत्रता संग्राम के दौरान लगभग हर बड़ा नाम कहीं न कहीं लेख से भी जुड़ा है। श्री मोदी ने कहा कि किसी भी समाज में समाज का प्रबुद्ध वर्ग, समाज के लेखक या साहित्यकार पथ प्रदर्शक की तरह एवं समाज के शिक्षक होते है। स्कूल शिक्षा तो खत्म हो जाती है लेकिन हमारे सीखने की प्रक्रिया पूरी उम्र चलती है। इसमें बड़ी अह्म भूमिका पुस्तकों और लेखकों की भी है। उन्होंने कहा कि सकारात्मकता देने की सोच सिर्फ पत्रकारिता से नहीं, व्यक्तित्व के लिए भी होना जरुरी है। उन्होंने कहा कि पत्रिका गेट राजस्थान में आने वालों के लिए आर्कषण का केन्द्र बनेगा। उन्होंने कहा कि पत्रिका के संस्थापक कर्पूर चंद कुलिश ने भारतीयता के संकल्प के साथ पत्रिका को शुरु किया था।

ईज आफ डुइंग क्राइम है यूपी में: प्रियंका गांधी

लखनऊ, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कारोबार में सुगमता के लिये हाल ही जारी राज्यों की वरीयता सूची में उत्तर प्रदेश के दस पायदान की छलांग पर व्यंग करते हुये कहा कि ईज आफ डुइंग बिजनेस पर योगी सरकार वैसे ही अपनी पीठ थपथपा रही है जैसे वह लापता एमओयू के बल पर निवेश कराने का दावा करती है। श्रीमती वाड्रा ने सोमवार को ट्वीट किया ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर यूपी सरकार का खुद की पीठ थपथपाना वैसा ही है जैसे लापता एमओयू के बल पर निवेश कराना। प्रदेश में उद्योग धंधे बंद हो रहे हैं। फैक्ट्रियों में ताला है, बुनकर करघा बेंच रहे हैं। उन्होने तंज कसने के अंदाज में लिखा वास्तव में यहाँ केवल ईज ऑफ डूइंग क्राइम और ईज ऑफ डूइंग घोटाला है। गौरतलब है कि उद्यमियों और निवेशकों के फीडबैक के आधार पर उद्योग संवर्धन एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने पांच सितम्बर को ईज आफ डुइंग बिजनेस की रैंकिंग जारी की थी जिसमें उत्तर प्रदेश ने 10 पायदान का सुधार करते हुए दूसरा स्थान प्राप्त किया ।प्रदेश ने गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान, महाराष्ट्र आदि अनेक अग्रणी राज्यों को पीछे छोड़ते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। ईज आफ डुइंग बिजनेस की वर्तमान रैंकिंग की गई है।

धनखड़ का पुलिस प्रशासन के मुद्दे पर ममता सरकार पर हमला

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने पुलिस प्रशासन के मुद्दे पर राज्य की ममता सरकार पर हमला बोला है और कहा है कि राज्य में पुलिस का शासन है जिसने अत्यंत असंवैधानिक स्वरूप धारण कर लिया है। धनखड़ ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) संगठनों से स्थिति पर ध्यान देने का आग्रह किया है। उन्होंने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, आईएस तथा आईएएस एसोसिएशन इस स्थिति पर ध्यान दें। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में ममता सरकार पर हमला बोलते हुए लिखा, राजनीतिक निष्पक्षता, कानून और संविधान का शासन खतरे में है। राज्य में पुलिस का शासन है जिसने अत्यंत असंवैधानिक रुख अख्तियार कर लिया है।

रिया को एनसीबी ने किया गिरफ्तार

मुंबई, एजेंसी। सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने ड्रग्स एंगल से जांच करते हुए मंगलवार को एक्ट्रेस रिया चक्रवर्ती को गिरफ्तार कर लिया। इस मामले में एनसीबी रिया से घंटों तक की पूछताछ कर चुकी है। आज लगातार तीसरे दिन रिया चक्रवर्ती को पूछताछ के लिए बुलाया गया था और एजेंसी ने दफ्तर से एक्ट्रेस को अपने कब्जे में ले लिया। रिया को एनसीबी के डिप्टी डायरेक्टर केपीएस मल्होत्रा ने गिरफ्तार किया है। इसके बाद एक्ट्रेस को मेडिकल कराने के लिए ले जाया गया। रिया करीब साढ़े 10 बजे कार से दक्षिण मुंबई के बलार्ड एस्टेट स्थित एनसीबी के दफ्तर पहुंची थीं। इस दौरान मुंबई पुलिस गाड़ी उनकी सुरक्षा के लिए कार के साथ-साथ चल रही थी। एनसीबी ने रिया से रविवार को छह घंटे और सोमवार को आठ घंटे तक पूछताछ की थी। सुशांत सिंह राजपूत की गर्लफ्रेंड रहीं रिया चक्रवर्ती की गिरफ्तारी के बाद बिहार के डीजीपी गुप्तेश्वर पांडे ने कहा कि इस मामले में उजागर हो गया कि

रिया चक्रवर्ती के ड्रग पैडलर्स के साथ संबंध थे। यह अब पुख्ता हो गया, जिसकी वजह से उसे गिरफ्तार कर लिया गया। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को उसके खिलाफ जरूर सबूत मिले होंगे। वहीं, एक्ट्रेस की गिरफ्तारी पर सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने खुशी जताई। उन्होंने गिरफ्तारी के फौरन बाद ट्वीट किया। श्वेता ने हाथ जोड़ने वाली इमोजी के साथ लिखा, भगवान हमारे साथ हैं। इससे पहले, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने कहा था कि ड्रग्स मामले में रिया का सहयोग मिल रहा है। 4 जून को 34 वर्षीय राजपूत मुंबई के बांद्रा के अपने फ्लैट में मृत पाए गए थे। रिया से सोमवार को पूछताछ करने के बाद एनसीबी के उप महानिदेशक (दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र) मुथा अशोक जैन ने पत्रकारों से कहा था कि एजेंसी पेशेवर और व्यवस्थागत तरीके से अपना काम कर रही है और इस मामले में सामने आए तथ्यों की विस्तृत जानकारी अदालत को देगी। एजेंसी ने कहा कि वह 28 वर्षीय रिया से पूछताछ करने के साथ उसके भाई शौविक चक्रवर्ती (24), सैमुअल मिरांडा (33), घर में काम करने वाले दीपक सांवत से सामना कराकर मामले में और पता लगाना चाहती है। एनसीबी ने बताया कि उसने मोबाइल फोन चैट रिकॉर्ड और अन्य इलेक्ट्रॉनिक डाटा प्राप्त किए हैं जिससे संकेत मिलता है कि इन लोगों ने कथित तौर पर कुछ प्रतिबंधित ड्रग्स की खरीद की। एनसीबी ने इस मामले में पिछले हफ्ते तीन लोगों को गिरफ्तार किया था।

मोदी की मुहिम- सरकारी कंपनियों का निजीकरणः राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए मंगलवार को कहा कि वह सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों का निजीकरण कर खजाने को भरने में जुटे हैं। श्री गांधी ने ट्वीट कर कहा, ÷मोदी जी 'सरकारी कंपनी बेचो' मुहिम चला रहे हैं। खुद की बनायी आर्थिक बेहाली की भरपाई के लिए देश की सम्पत्ति को थोड़ा-थोड़ा करके बेचा जा रहा है। जनता के भविष्य और भरोसे को ताक पे रखकर एलआईसी को बेचना मोदी सरकार का एक और शर्मनाक प्रयास है। इसके साथ ही उन्होंने एक खबर भी पोस्ट की है जिसमें लिखा है, एलआईसी में 25 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर खज़ाना भरेगी केंद्र सरकार।

राज्यसभा उपसभापति चुनाव में एकजुटता दिखाने को तैयार विपक्ष

संयुक्त उम्मीदवार उतारने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। मॉनसून सत्र के पहले दिन होने वाले राज्यसभा उपसभापति पद के चुनाव को लेकर विपक्ष एकजुट खड़ा दिखाई दे रहा है। इस मामले के जानकार लोगों ने बताया कि विपक्ष इस चुनाव में संयुक्त उम्मीदवार उतारने जा रहा है। कांग्रेस के एक नेता ने बताया कि यह फैसला मंगलवार को हुई कांग्रेस की एक बैठक में लिया गया। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में हुई बैठक में मॉनसून सत्र को लेकर रणनीति बनी। 14 सितंबर से शुरू हो रहे सत्र में कांग्रेस समेत विपक्ष केंद्र सरकार को भारत-चीन मुद्दे पर घेरने की तैयारी कर रही है। हरिवंश नारायण सिंह का पहला कार्यकाल इस साल अप्रैल महीने में खत्म हो चुका है। वे दोबारा राज्यसभा में चुनकर आए हैं। हालांकि, माना जा

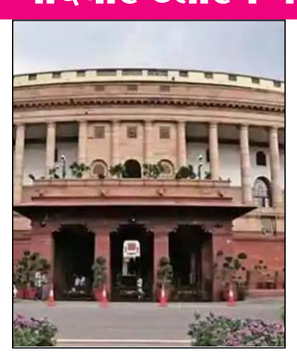

रहा है राज्यसभा उपसभापति पद के लिए एनडीए एक बार फिर से हरिवंश को उम्मीदवार बना सकता है। अगस्त, 2018 में कांग्रेस नेता पीजे कुरियन के कार्यकाल खत्म होने के बाद जेडीयू सांसद हरिवंश को उपसभापति बनाया गया था। बतौर एनडीए उम्मीदवार, हरिवंश ने कांग्रेस कैंडिडेट बीके हरि प्रसाद को हराते हुए 125 वोट हासिल किए थे, जबकि कांग्रेस उम्मीदवार को 105 वोट ही मिल सके थे। इस बार उपसभापति पद का चुनाव मॉनसून सत्र के पहले दिन 14 सितंबर को होगा। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 11 सितंबर है। वहीं, बीते लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से ही निचले सदन में डिप्टी स्पीकर का पद भी खाली है। मॉनसून सत्र की रणनीति पर हुई कांग्रेस की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई। कोरोना वायरस से हालात के अलावा, कांग्रेस समेत विपक्षी दल सदन में लॉकडाउन, प्रश्नकाल, फेसबुक मामला, जीडीपी दर में गिरावट, राज्यों को जीएसटी देने की मांग समेत कई अन्य मुद्दे उठाने जा रहे हैं।

चंदा कोचर के पति दीपक कोचर 19 सितंबर तक ईडी की हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी। विशेष पीएमएलए अदालत ने मंगलवार को आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व प्रबंध निदेशक चंदा कोचर के पति दीपक कोचर को मनी लांड्रिंग मामले में जांच के सिलसिले में सितंबर 19 तक ईडी की हिरासत में भेज दिया है। कोचर को सोमवार को ईडी ने गिरफ्तार किया था। आईसीआईसीआई बैंक और वोडाफोन केस में आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व एमडी और सीईओ चंदा कोचर के पति दीपक कोचर को प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को गिरफ्तार किया था। इसस पहले प्रवर्तन निदेशालय ने जनवरी महीने में आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व एमडी और सीईओ चंदा कोचर व उनके परिवार की संपत्ति को जब्त कर लिया था। कुल 78 करोड़ की चल अचल संपत्ति जब्त हुई थी। इसमें मुंबई में एक फ्लैट और चंदा के पति के कंपनी की प्रापर्टी शामिल थी।

चीन का आरोप गलत, गुमराह करने के लिए दे रहा है गलत बयानःभारत

नयी दिल्ली, एजेंसी। भारत ने चीन पर आरोप लगाया है कि वह वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उसके सैनिकों की भड़काऊ गतिविधियो को छिपाने के लिए गुमराह करने वाले बयान दे रहा है और भारतीय सैनिकों ने कभी भी वास्तविक नियंत्रण रेखा का अतिक्रमण की कोशिश नहीं की है। रक्षा मंत्रालय ने आज एक बयान जारी कर चीन के इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया कि उसके सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भड़काने वाली गतिविधियां कर रहे हैं। भारत ने स्पष्ट किया है कि चीनी सैनिक वास्तविक नियंत्रण रेखा पर यथास्थिति बदलने की कोशिश कर रहे हैं जिसे भारतीय सैनिकों ने बार बार विफल किया है। बयान में कहा गया है कि भारत वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव कम करने और स्थिति सामान्य बनाने के लिए प्रतिबद्ध है लेकिन चीन निरंतर उकसाने वाली गतिविधियों में लिप्त है। बयान में जोर देकर कहा गया है कि

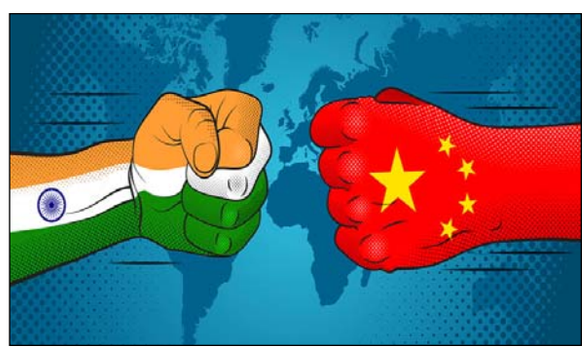

भारतीय सेना ने कभी भी एलएसी का अतिक्रमण करने की कोशिश नहीं की और न ही कभी फायरिंग सहित कोई उकसाने वाली कार्रवाई की है। मंत्रालय ने कहा है कि चीनी सैनिक समझौतों का खुलेआम उल्लंघन करते हुए उकसाने वाली कार्रवाई कर रहे हैं और सैन्य, राजनयिक और राजनीतिक स्तर पर हो रही बातचीत को धत्ता बता रहे हैं। भारत ने कहा है कि सात सितम्बर के घटनाक्रम में चीनी सैनिकों ने एलएसी पर बनी हमारी एक अग्रिम चौकी की ओर बढने की कोशिश की जिस पर भारतीय सैनिकों ने उन्हें आगाह किया तो चीनी सैनिकों ने डराने के लिए कुछ राउंड फायरिंग की हालाकि गंभीर स्थिति के बावजूद भारतीय सैनिकों ने संयम और परिपक्व तथा जिम्मेदारीपूर्ण रूख अपनाया।

कर्ज में डूबे पाक को चुकाना है 580 करोड़ डॉलर जुर्माना

इस्लामाबाद, एजेंसी। कर्ज में डूबा पाकिस्तान इन दिनों मन्नत मांग रहा है कि किसी तरह उसे जुर्माने वाली आफत से मुक्ति मिल जाए। कभी वर्ल्ड बैंक, कभी आईएमएफ और कभी चीन से उधार लेकर काम चले रहे पाकिस्तान को 580 करोड़ डॉलर (करीब 42841 करोड़ रुपए) का भारी-भरकम जुर्माना चुकाना है, जोकि उसके जीडीपी का करीब 2 फीसदी है। इंटरनेशल ट्राइब्यूनल की ओर से लगाए गए जुर्माना को लेकर इमरान सरकार ने हाथ जोड़ लिए हैं। माफी के लिए पाकिस्तान ने कोरोना महामारी के खिलाफ जंग प्रभावित होने की दलील भी दी है। इंटरनेशल ट्राइब्यूनल का यह फैसला ऑस्ट्रेलियन कंपनी को माइनिंग लीज देने से इनकार करने से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत में रेको दिक जिला खनिज संपदा के लिए मशहूर है। पाकिस्तान सरकार ने तेथयान कोपर कॉर्प से रेको दिक जिले में माइनिंग को लेकर करार किया था।

लखनऊ में कब्रों पर दुकानों से करोड़ों का हो रहा खेल

नोटिस जारी होने के बाद रुका काम

लखनऊ, संवाददाता। सुप्पा कब्रिस्तान की जमीन पर बनाई गई चार दर्जन दुकानों के पीछे करोड़ों का खेल हुआ है। यहां कब्रों पर बनी एक एक दुकान पांच से छह लाख रुपए की बेची गई है। करीब ढाई करोड़ रुपए इन दुकानों के जरिये कमाए गए हैं। अवैध होने के बावजूद सभी जगह बिजली का कनेक्शन है। कनेक्शन का खेल भी कब्रिस्तान के संचालकों ने चलाया है। इससे भी कमाई की गई है। दुकानों को नोटिस जाने के बाद काम रोका गया है। इस पूरे मामले में वक्फ राज्य मंत्री ने जांच जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी को दी है। स्टार एयरकॉन, नवरंग बैंड, सॉल्यूशन बिजनेस पॉइंट, एलिना बाइक पॉइंट, रीमा गारमेंट, एन आर फर्नीचर, इकरा सिलाई मशीन, हाफिज इलैक्ट्रिक, आई एम सी कार्ड, एस के मेडिकल, महेंद्र डेरी, आसिफ टी स्टाल, व कई थोक दुकाने व मेंस सैलून ये वे प्रमुख दुकानें हैं जो कब्रों पर बनी सुप्पा मार्केट में हैं। ऐसी ही कुल 42 दुकानें हैं।

जबकि 16 दुकानों का निर्माण किया जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि यहां पांच से छह लाख रुपए की धरोहर लेकर किराये पर दुकानें दी जाती हैं। पांच छह लाख रुपए लेने के बाद मासिक किराया भी लिया जाता है। इस कब्रिस्तान के बाजार को सुप्पा मार्केट भी नाम दिया जा चुका है।एलडीए ने दिया नोटिस, जल्द होंगी दुकानें सील – सुहासदुकानों में अवैध निर्माण सिद्ध हो चुका है। संयुक्त सचिव ऋतु सुहास ने बताया कि बहुत जल्दी ही प्रवर्तन कोर्ट से सभी दुकानों को सील करने की नोटिस दी जाएगी। जिसके बाद में इनको सील कर दिया जाएगा। वक्फ राज्य मंत्री मोहसिन रजा ने बताया कि कार्रवाई बिल्कुल होगी। मैंने अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी से रिपोर्ट मांगी है। वो जांच कर रिपोर्ट देंगे। उसके बाद दोषियों के खिलाफ़ के कार्यवाही होगी। मैंने पहले ही बोला है क़ब्रिस्तान पर किसी तरह का कॉमर्शियल निर्माण नही हो सकता है। वक्फ एक्ट में साफ़ दिया हुआ है इसमें लखनऊ विकास प्राधिकरण से भी पूछा जाएगा किस नियम से ये निर्माण हो रहा है।

लखनऊ में तीसरे विद्युत शवदाह गृह का शुभारंभ

लखनऊ, संवाददाता। नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन गोपाल ने लखनऊ के तीसरे विद्युत शवदाह गृह काम का मंगलवार को शुभारंभ किया। इसके चालू होने से कोरोना संक्रमित शव के अंतिम संस्कार करने में मदद मिल सकेगी। अभी भैसाकुंड श्मशानघाट पर लगे दो विद्युत शवदाह गृह हैं लेकिन हर दिन 25 से 30 शव आने से दूर खड़े परिजनों को इंतजार करना पड़ता है। नए विद्युत शवदाह गृह के निर्माण पर डेढ़ करोड़ का खर्च आया है। नगर विकास मंत्री ने शुभारंभ कार्य के बाद चौक में चल रहे सुंदरीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया था। इस अवसर पर महापौर संयुक्ता भाटिया, विधायक डा. नीरज बोरा, नगर आयुक्त अजय कुमार द्विवेदी भी शामिल थे। वैसे सामान्य दिनों में भी करीब दस शव विद्युत शवदाह गृह में आते थे। इसमे लावारिश शव अधिक होते हैं। यहां अंतिम संस्कार की निऱ्शुल्क व्यवस्था है। महापौर कार्यकाल में उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने नगर निगम सदन से यह निर्णय कराया था कि गुल्लाला घाट में विद्युत शवदाह गृह लगाया जाएगा।

कोरोना संक्रमित सपा एमएलए की इलाज के दौरान मौत, अखिलेश ने जताया गहरा दुख

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधान परिषद सदस्य एसआरएस यादव का निधन हो गया है। वह 87 वर्ष के थे। सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने मंगलवार को बताया कि यादव कोरोना के मरीज थे और उन्होंने सोमवार देर रात लखनऊ स्थित संजय गांधी परास्नातक आयुर्विज्ञान संस्थान में अंतिम सांस ली। उन्होंने बताया कि उनमें गत एक सितंबर को कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई थी। उन्होंने बताया कि उन्नाव जिले के मूल निवासी रहे यादव के परिवार में पत्नी और तीन बेटे हैं। वर्ष 1992 तक प्रशासनिक अधिकारी रहे यादव सेवानिवृत्त होने के बाद से समाजवादी पार्टी के लिए काम कर रहे थे। सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेहद करीबी सहयोगियों में शामिल किए जाने वाले एसआरएस यादव पूर्व में पार्टी के कार्यालय प्रभारी तथा अन्य कई पदों पर रह चुके थे। वर्तमान में वह पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य थे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पार्टी के वरिष्ठ सहयोगी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यादव ने सेवानिवृत्ति के बाद अपना सारा जीवन समाजवादी पार्टी को समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि यादव सच्चे समाजवादी थे और हमेशा समाज के दबे, कुचले और वंचित वर्गों के भले के लिए काम किया।

नूतन ने गृह मंत्रालय की सुरक्षा दिये गए लोगों की सूची को सामने लाने से मना करने की स्थिति को आपत्तिजनक बताया

लखनऊ, संवाददाता। जहाँ गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने कंगना रानौत को दी गयी वाई श्रेणी सुरक्षा का जोरशोर से प्रचार-प्रसार किया है, वहीं कुछ दिन पहले ही उन्होंने सुरक्षा दिये गए लोगों के नाम सार्वजनिक करने का जोरदार विरोध किया था, एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने एक्स, वाई, जेड तथा जेड प्लस सुरक्षा प्रदत्त लोगों की सूची तथा अन्य संबंधित सूचना मांगी थी, गृह मंत्रालय ने मात्र सुरक्षा प्रदत्त लोगों की कुल संख्या बताई किन्तु उन्होंने आरटीआई एक्ट की धारा 8(1)(जी) में सूचना जिसे प्रकट करने से किसी के जीवन या सुरक्षा को खतरा हो तथा 8(1)(जे) में व्यक्तिगत सूचना के नाम पर सुरक्षा दिए गए लोगों के नाम सार्वजनिक करने से इंकार कर दिया, गृह मंत्रालय ने केंद्रीय सूचना आयोग के सामने भी वही बात कही जिससे सहमत होते हुए सूचना आयुक्त वाई के सिन्हा ने कहा कि सुरक्षा प्राप्त लोगों के नाम सार्वजनिक करने से सुरक्षा देने का उद्देश्य ही विफल हो जायेगा तथा इन लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। नूतन ने कंगना का नाम सार्वजनिक करने तथा पूरी सूची को सामने लाने से मना करने की स्थिति को आपत्तिजनक बताया है।

गृह मंत्रालयः कंगना वाई सुरक्षा सार्वजनिक सूची देने से इनकार

लखनऊ, संवाददाता। जहाँ गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने कंगना रानौत को दी गयी वाई श्रेणी सुरक्षा का जोरशोर से प्रचार-प्रसार किया है, वहीं कुछ दिन पहले ही उन्होंने सुरक्षा दिये गए लोगों के नाम सार्वजनिक करने का जोरदार विरोध किया था, लखनऊ स्थित एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने एक्स, वाई, जेड तथा जेड प्लस सुरक्षा प्रदत्त लोगों की सूची तथा अन्य संबंधित सूचना मांगी थी, गृह मंत्रालय ने केंद्रीय सूचना आयोग के सामने भी वही बात कही जिससे सहमत होते हुए सूचना आयुक्त वाई के सिन्हा ने कहा कि सुरक्षा प्राप्त लोगों के नाम सार्वजनिक करने से सुरक्षा देने का उद्देश्य ही विफल हो जायेगा तथा इन लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। नूतन ने कंगना का नाम सार्वजनिक करने तथा पूरी सूची को सामने लाने से मना करने की स्थिति को आपत्तिजनक बताया है।

प्रदेश में लॉ बचा है न ऑर्डर सिर चढ़कर बोल रहा अपराधः अभिषेक मिश्रा

लखनऊ, संवाददाता। हर दिन हत्या, हर दिन बलात्कार, राजधानी में सरेआम लूटपाट तो कहीं पुलिस के सामने भीड़ के हाथों लोगों की हत्याओं ने कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। बीते कुछ दिनों से अपराध का यह सिलसिला अटूट है। जबकि प्रदेश सरकार का दावा है कि यूपी में अपराध में कही आई है। योगी सरकार की इस नाकामी ने विरोधियों को एक धारदार मुद्दा दे दिया है। कानून व्यवस्था को लेकर सपा, बसपा, आप और कांग्रेस सभी विरोधी मुखर हैं। मंगलवार को वरिष्ठ सपा नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री अभिषेक मिश्रा ने योगी सरकार को कटघरे में खड़ा किया। एक बयान जारी कर पूर्व कैबिनेट मंत्री ने कहा, आज यूपी की जनता भयभीत है। कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। नोएडा में पिछले 24 घण्टे में तीन सनसनीखेज हत्याएं हो गईं। नोएडा उत्तर प्रदेश की शान है। दिल्ली से सटे यूपी के इस महानगर में बड़े-बड़े बिजनेसमैन, सुप्रीम और हाई कोर्ट के तमाम जज और हाई सोसाइटी के लोग जहां रहते हों, वहां ऐसी घटनाएं बेहद चिंताजनक हैं। श्री मिश्रा ने कहा कि योगी सरकार ने बड़े-बड़े दावे कर नोएडा में पुलिस कमिश्नरेट व्यवस्था लागू की थी, लेकिन आज नोएडा को सच्चाई सामने आ रही है, उससे लोग डरे हुए हैं। पुलिस की इतनी नाकामी और ऐसा जंगलराज यूपी में पहले कभी नहीं रहा। प्रदेश में न लॉ बचा है और न ऑर्डर। अपराध सिर चढ़कर बोल रहा है। क्राइम और भ्रष्टाचार से जनता त्राहि-त्राहि कर रही है। अब सरकार बदलने का वक्त आ गया है। 2022 दूर नहीं है।

मायावती ने फिर बोला योगी सरकार पर हमला, कहा

सरकारी दावों की पोल खोल रही यूपी में कानून व्यवस्था

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने मैनपुरी में दलित युवक की हत्या का हवाला देते हुये कहा है कि उत्तर प्रदेश में हत्या की बढ़ती घटनाये कानून व्यवस्था के योगी सरकार के दावों की पोल खोलती हैं। मायावती ने मंगलवार को ट्वीट किया '' यूपी में कल मैनपुरी में दलित सर्वेश कुमार की दबंगों द्वारा पीट-पीट कर की गई हत्या व इसी प्रकार महाराजगंज में गोबिन्द चौहान, शाहजहाँपुर में राजवीर मौर्य, बरेली में वासिद, कुशीनगर में सुधीर सिंह तथा बांदा में विनोद गर्ग (ब्राह्मण) की गोली मार की गई हत्या आदि की घटनायें अति-दुःखद। उन्होंने कहा '' साथ ही, यूपी के नोएडा में कल ही कैब ड्राइवर की हत्या आदि की घटनायें कानून-व्यवस्था के मामलें में सरकारी दावों की पोल खोलती हैं। सरकार कानून को हाथ में लेने वालों के विरूद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करे व पीड़ितों को न्याय दे व उनकी आर्थिक मदद भी जरूर करे, बीएसपी की यह माँग। गौरतलब है कि बसपा अध्यक्ष ने हाल के दिनो में सत्तारूढ़ भाजपा पर विशेषकर कानून व्यवस्था के मुद्दे पर हमले करना तेज कर दिया है। दो दिन पहले लखीमपुर खीरी के पूर्व विधायक नृपेन्द्र मिश्र और इसी जिले में छात्रा की बलात्कार के बाद हत्या के मामले पर उन्होंने योगी सरकार को घेरा था।

मुख्यमंत्री ने एसआरएस यादव के निधन पर शोक व्यक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं विधान परिषद सदस्य एसआरएस यादव का निधन हो गया है। वह 87 वर्ष के थे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधान परिषद सदस्य एस0आर0एस0 यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। यादव कोरोना के मरीज थे और उन्होंने सोमवार देर रात लखनऊ स्थित संजय गांधी परास्नातक आयुर्विज्ञान संस्थान में अंतिम सांस ली। उन्होंने बताया कि उनमें गत एक सितंबर को कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई थी। उन्होंने बताया कि उन्नाव जिले के मूल निवासी रहे यादव के परिवार में पत्नी और तीन बेटे हैं। वर्ष 1992 तक प्रशासनिक अधिकारी रहे यादव सेवानिवृत्त होने के बाद से समाजवादी पार्टी के लिए काम कर रहे थे।

5वी उत्तर प्रदेश एयर विंग एनसीसी में छात्र-छात्राओं की भर्ती

लखनऊ, संवाददाता। 5वी उत्तर प्रदेश एयर विंग एन. सी. सी में छात्र-छात्राओं की भर्ती के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित है। इच्छुक छात्र अपना आवेदन पत्र 5 (यू. पी.) एयर स्काड्रन एन. सी. सीसी-896ई, महानगर विस्तार, लखनऊ-226006दूरभाष नं. 0522-2320537 से 09 सितम्बर 2020 प्रातः 0900 बजे से दोपहर के 2 बजे तक (सोमवार से शुक्रवार) प्राप्त कर सकते है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तारीख 26 सितम्बर 2020 है। 23 वर्ष से कम आयु के कम से कम 12वी पास (वरियता विज्ञान) किसी कॉलेज, लखनऊ विश्वविद्यालय,बोर्ड के संस्थागत छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते है। चयनित सभी छात्र- छात्राओं को तीन साल की प्रशिक्षण दी जाएगी। एयर एन. सी. सी. में माइक्रोलाइट फ्लाइंग, एरोमोडलिंग, फायरिंग, पैरासेलिंग साहसिक अभियान एवं सामाजिक उत्थान के विषयों का प्रशिक्षण निःशुल्क प्रदान किया जाता है। सभी चयनित प्रशिक्षनार्थी तीन वर्ष का प्रशिक्षण पूरा करने पर 'सी' प्रमाण पत्र प्राप्त करते है। 'सी' प्रमाणपत्र में 'ए' एवं 'बी' ग्रेडिंग में न्यूनतम 50 प्रतिशत (60 प्रतिशत एयर फोर्स) प्राप्त करने वाले प्रशिक्षनार्थीयो को सशस्त्र सेनाओं में बिना लिखित परीक्षा दिए एस. एस. बी. में साक्षात्कार हेतु अवसर मिलता है।एन. सी. सी. कैडेट्स जिनके पास 'ए', 'बी' एवं 'सी' प्रमाणपत्र है उन्हें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल एवं असम राइफल्स की लिखित परीक्षा में क्रमशः 'दो', 'तीन' एवं 'पांच' प्रतिशत अंको का अतिरिक्त बोनस अंक प्राप्त होता है।

घाटे में चल रहे निगमों के कर्मचारियों को समायोजित करने के लिए मुख्य सचिव को लिखा पत्र

लखनऊ, संवाददाता। राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष जे एन तिवारी ने प्रदेश के मुख्य सचिव श्री आर के तिवारी के ऑफिशल ईमेल आईडी पर पत्र पोस्ट करते हुए प्रदेश में घाटे में चल रहे निगमों के कर्मचारियों के समायोजन की मांग किया है। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति अवगत कराया है कि प्रदेश में लगभग 34 निगम है, जिनमें से लगभग एक दर्जन से भी अधिक निगम घाटे में चल रहे हैं । इन निगमों में कर्मचारियों की संख्या भी काफी कम है। सरकार घाटे में चल रहे निगमों की संपत्तियों के निस्तारण के बारे में भी विचार कर रही है ।ऐसे में संपत्तियों के निस्तारण से पूर्व घाटे में चल रहे निगमों के कर्मचारियों के समायोजन की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

जे एन तिवारी ने अवगत कराया है कि राज्य हथकरघा निगम, वित्तीय निगम, कर्मचारी अल्पसंख्यक कल्याण निगम, स्पिनिंग कंपनी, निर्यात निगम, मध्य गन्ना बीज विकास निगम जैसे दर्जनों निगम के कर्मचारियों को अभी तक चौथा वेतन आयोग ही मिल रहा है, जबकि प्रदेश के राज्य कर्मचारी एवं कुछ निगमों के कर्मचारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ मिल चुका है। राज्य हथकरघा निगम में 180 कर्मचारी हैं जबकि वित्तीय निगम में 275, कर्मचारी अल्पसंख्यक कल्याण निगम में 84, स्पिनिंग कंपनी में 40, निर्यात निगम में 40 एवं मध्य गन्ना बीज विकास निगम में केवल 15 कर्मचारी ही कार्य कर रहे हैं। इन कर्मचारियों को अभी तक चौथा वेतन आयोग का लाभ मिल रहा है। वेतन संशोधित नहीं किए जाने से इन निगमों के कर्मचारियों के सामने वित्तीय संकट भी है। अब जब सरकार घाटे में चल रहे निगमों की संपत्तियों का निस्तारण करने की योजना पर कार्य कर रही है ,संपत्तियों के निस्तारण से पूर्व कर्मचारियों का समायोजन आवश्यक है।

सीएम हाउस घेरने की तैयारी में थी शायर मुनव्वर राणा की बेटियां, पुलिस ने किया नजरबंद

लखनऊ, संवाददाता। शायर मुनव्वर राणा की बेटी सुमैया राणा समेत दो महिलाओं को लखनऊ पुलिस ने घर में नजरबंद कर दिया है. मुनव्वर राणा की बेटी के घर के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दी गयी है. मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मुनव्वर राणा की दोनों बेटी उजमा और सुमैया राणा ने आज सीएम आवास के पास चौराहे पर प्रदर्शन का आह्वान किया था. ये लोग वहां ताली-थाली बजाकर प्रदर्शन करनेवाले थे। इस संबंध में लखनऊ पुलिस ने दोनों बहनों को प्रदर्शन ना करने का नोटिस दिया है. सभी आयोजकों के घर के बाहर पुलिस तैनात कर दी गयी है। मुनव्वर राणा की बेटी सुमैया राणा ने आज सैकड़ों महिलाओं के साथ सीएम आवास पर ताली और थाली पीटने का कार्यक्रम बना लिया था. वे महिला अपराध और कोविड संक्रमण रोक पाने में असमर्थ सरकार के खिलाफसामूहिक प्रदर्शन करने जा रही थीं. चूंकि कोविड संक्रमण रोकने के लिए राजधानी में धारा 144 लगी हुई है, ऐसे में कोविड संक्रमण बढ़ने के खिलाफ सामूहिक प्रदर्शन का प्लान कर चुकीं उजमा परवीन और सुमैया राणा को धारा 144 के उल्लंघन का नोटिस दिया गया है. इन दोनों को फिलहाल इनके घरों में ही नजरबंद किया गया है। शायर मुनव्वर राणा की बेटी सुमैया राणा ने नागरिकता संशोधन कानून और जनगणना के खिलाफ प्रदर्शन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था. लखनऊ के घण्टाघर पर हुए प्रदर्शनों में सैयद उजमा परवीन और सुमैया राणा ने अग्रसर भूमिका निभाई थी. ठाकुरगंज पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए शायर मुनव्वर राना की बेटी समेत 150 लोगों के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज किया था. ये मुकदमे रास्ता जाम कर प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक टिप्पणी वायरल करने, धारा 144 का उल्लंघन और बलवा करने के आरोप में दर्ज किए गए थे। उजमा परवीन को अगस्त में भी नजरबंद किया जा चुका है. वे धारा-144 के बीच लखनऊ के घंटाघर पर झंडा फहराने जाना चाहती थीं. जब पुलिस ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी तो उन्होंने इसे संवैधानिक अधिकारों का हनन करार दे दिया. वहीं सुमैया राणा ने एक बार सुमैया राणा ने एएमयू में उत्तर प्रदेश की पुलिस को तानाशाह बताया था।

अरविन्द कुमार भारतीय नवक्रान्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बने

लखनऊ, संवाददाता। भारतीय नवक्रान्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मकरन्द कुमार मखमेलपुरी ने लखनऊ निवासी अरविन्द कुमार को उत्तर प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अरविन्द कुमार को प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत करने के साथ ही विश्वास व्यक्त किया है कि वह प्रदेश में पार्टी को मजबूती प्रदान करेंगे और आगामी चुनावों में पार्टी को बढ़त दिलाएंगे। अरविन्द कुमार ने अपने मनोनयन के बाद पार्टी नेतृत्व द्वारा उन पर भरोसा जताने पर आभार व्यक्त किया है। विश्वास दिलाया है कि पार्टी के विश्वास पर खरा उतरने के साथ ही पार्टी को ऊंचाई प्रदान करेंगे। अरविन्द कुमार को भारतीय नवक्रान्ति पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाये जाने पर शुभचिंतकों और समर्थकों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये उन्हें बधाई दी है। साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष मकरन्द कुमार मखमेलपुरी का आभार प्रकट किया है।

सीमावर्ती इलाकों में एनसीसी का विस्तार

लखनऊ, संवाददाता। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से देश के 74वें स्वतंत्रता दिवस के भाषण में यह घोषणा की थी कि इस वर्ष व्यापक पैमाने में देश के सीमावर्ती इलाकों में एक लाख एन0सी0सी0 कैडेटों का नामांकन कर एन0सी0सी0 के पद चिन्हों को बढ़ावा दिया जाएगा। प्रधानमंत्री के इस लक्ष्य को पूर्ण करने हेतु उत्तर प्रदेश राज्य में 11,980 अतिरिक्त एन0सी0सी0 कैडेटों का नामांकन व भर्ती सीमावर्ती क्षेत्रों में किया जाना सुनिश्चित है। इसके अंतर्गत पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराईच, श्रीवस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महराजगंज जनपदों में एन0सी0सी0 का विस्तार होगा। इस कार्य को सम्पन्न करने के लिए एन0सी0सी0 की कुछ बटालियनों को पुनः संगठित करके उनकी सामर्थ्य संख्या नफरी को बढ़ाया जा रहा है। सीमावर्ती इलाकों में नामांकित एन0सी0सी0 कैडेटों के प्रशिक्षण का संपूर्ण खर्चा केन्द्र सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।

योगी ने कोरोना संक्रमण के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को तेजी से बढ़ाने के दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संक्रमण के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों को तेजी से बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि 'दो गज की दूरी और मास्क है जरूरी' के प्रति लोगों को विशेष रूप से जागरूक करते हुए आर्थिक गतिविधियां संचालित कराई जाएं। मुख्यमंत्री आज यहां लोक भवन में आहूत एक उच्च स्तरीय बैठक में अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चिकित्सा कर्मियों को मेडिकल संक्रमण से सुरक्षित रखने के लिए सभी प्रबन्ध किए जाएं। एस0जी0पी0जी0आई0, के0जी0एम0यू0 तथा डॉ0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान द्वारा 1,000 आई0सी0यू0 बेड्स तैयार किए जाएं। उन्होंने कन्टेनमेंट जोन में सभी लोगों का कोविड-19 टेस्ट सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक रविवार को बाजारों की प्रदेश व्यापी साप्ताहिक बन्दी के स्थान पर अब बाजारों की साप्ताहिक बन्दी पूर्व निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप रहेगी। उन्होंने कहा कि कन्टेनमेंट जोन को छोड़कर अन्य स्थानों पर सभी होटल व रेस्टोरेंट का संचालन कराया जाए। इस गतिविधि में संक्रमण से सुरक्षा के सभी मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने तहसील दिवस तथा थाना दिवस कोविड-19 की गाइड लाइन के अनुसार संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी तथा तहसीलदार अपने क्षेत्र की जनता की समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित कराएं। उन्होंने कहा कि तहसील दिवस और थाना दिवस की सफलता के लिए आवश्यक है कि जन समस्याओं का समयबद्ध ढंग से गुणवत्तापरक निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा है कि सभी विभागाध्यक्ष और कार्यालयाध्यक्ष कार्मिकों की उपस्थिति का नियमित निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण करें। 'ईज ऑफडुइंग बिजनेस' रैंकिंग में उत्तर प्रदेश द्वारा द्वितीय स्थान प्राप्त किए जाने पर संतोष व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी प्रकार 'ईज ऑफ लिविंग' की दिशा में भी कार्ययोजना बनाकर प्रयास करने की आवश्यकता है। इससे लोगों के जीवन में व्यापक परिवर्तन आएगा। मुख्यमंत्री ने जी0एस0टी0 संग्रह में वृद्धि के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस सम्बन्ध में कार्ययोजना बनाकर उसे लागू किया जाए। जी0एस0टी0 के तहत अधिक से अधिक व्यापारियों का पंजीकरण किया जाए। उन्होंने कहा कि निवेशकों और उद्यमियों को हर सम्भव सहायता उपलब्ध कराई जाए। इनकी समस्याओं का समयबद्ध ढंग से समाधान किया जाए। उद्यमों की सुगमतापूर्वक स्थापना से प्रदेश लाभान्वित होगा और युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे उद्योग बन्धु की बैठक आहूत कर उद्यमियों से संवाद करेंगे। मुख्यमंत्री ने जीरो बजट खेती के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कुपोषित बच्चों के परिवार को 'मुख्यमंत्री निराश्रितध्बेसहारा गोवंश सहभागिता योजना' के अन्तर्गत गौ आश्रय स्थल से गाय उपलब्ध करायी जाए। उन्होंने दुग्ध समितियों को सुदृढ़ करने के निर्देश देते हुए कहा कि इससे डेयरी सेक्टर का विस्तार होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार की स्मार्ट सिटी योजना के तहत 10 शहर तथा प्रदेश सरकार के स्तर से 07 शहर स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित किए जा रहे हैं। इसके तहत कराए जा रहे कार्यों की गति को तेज करने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि इस योजना की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। नगर निकायों में अमृत योजना के कार्यों को गति दी जाए।

देश निर्माण को राष्ट्रीय अटल जनता पार्टी का गठन

जातिवाद टूटेगा, आमजन जुड़ेगा, बनेगा देश-प्रदेशः उमाकांत पाण्डेय

लखनऊ, संवाददाता। ग्राम स्तर से लेकर शहरी स्तर पर हर व्यक्ति को समुचित चिकित्सा मिले। हर स्तर पर सहज शिक्षा का प्रबंध हो। हर बेराजगार को रोजगार उपलब्ध हो। किसानों को बिजली, पानी, खाद जैसे संसाधन और न्याय आसानी से मिल सकें, ऐसे आम जन से जुड़े अनेक मुद्दों को हल करने के उद्देश्यों को लेकर राष्ट्रीय अटल जनता पार्टी के गठन की घोषणा आज यहां प्रमुख पदाधिकारियों के साथ की गई। यूपी प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में यह जानकारी देते हुए राष्ट्रीय अटल जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष उमाकान्त पाण्डेय ने बताया कि आजादी के बाद पिछले सात दशकों से भी अधिक समय तक सत्ता पर काबिज रहने वाले राजनीतिक दलों ने जातिवाद की राजनीति की और केवल अपना हित साधा। पार्टियों ने वोट के लिए हाथ जरूर जोड़ें पर आम जन की समस्याओं को दूर करने और उन्हें वास्तविक अधिकार देने-दिलाने पर कोई ध्यान नहीं दिया। राष्ट्रीय अटल जनता पार्टी अन्य दलों की तरह देश की जनता को जातिवाद की आग में न झोंकने वाली राजनीति का कड़ा विरोध करते हुए विकास, समानता और सामाजिक समरसता को बढ़ाने वाली राजनीति में आम जन का साथ लेकर राष्ट्र निर्माण में जुटेगी। राष्ट्रीय अटल जनता पार्टी जातिवाद की राजनीति मिटाकर हर व्यक्ति को समान अधिकार दिलाने के लिए सतत प्रतिबद्ध रहेगी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अटल जनता पार्टी का मुख्य उद्देश्य है हर गांव-हर शहर में आसान और उचित चिकित्सा और हर स्तर पर शिक्षा की सुविधा हो। हर जिलें में सुविधा सम्पन्न बड़े अनाथालय आदि हों।

हमारे विशेष लक्ष्यों में सरकारी नौकरियों में जातिवाद खत्म कर एकरूपता लाने और युवाओं की बेरोजगारी खत्म करना, हर गांव में सुरक्षा के लिए पुलिस व्यवस्था को दुरुस्त करना, हर वर्ग की बेटियों की मुफ्त शिक्षा व्यवस्था, गरीब तबके के लिए महिलाओं की सुरक्षा, उनकी बेटियों के विवाह, वृद्ध पेंशन योजना के विस्तार जैसी विशेष योजनाएं संचालित करने के साथ ही किसानों की अनेक योजनाएं शामिल हैं। किसानों की योजनाओं में सिंचाई सेण्टर का निर्माण, खाद, बिजली पहुंचाने की महत्वाकांक्षी योजनाएं शामिल हैं। पार्टी हर बालक तक उनकी रुचि और जरूरतों के अनुरूप विषयों और तकनीकी शिक्षा पर विशेष योजनाएं हर स्तर पर लेकर आगे बढ़ेगी और राष्ट्र निर्माण के लिए प्रेरित करेगी। वार्ता में पार्टी क राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुसूचित मोर्चा आजाद कुमार,अल्पसंख्यक मोर्चा जावेद खान,महिला मोर्चा सारिका श्रीवास्तव अधिवक्ता सभा शरद कुमार चौधरी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अयोध्या नरेश पांडेय राष्ट्रीय संगठन महामंत्री अर्जुन शर्मा भी उपस्थित थे।

दर्द के साथ दवाओं से भी छुटकारा दिलाती है फिजियोथेरेपी-गुड्डू खान

विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर फिजियोथेरेपी के प्रति लोगो को जागरूक करने हेतु आज नौतनवा स्थित Aum- Aditya physios फिजियोथेरेपी क्लिनिक पर मुख्य अतिथि नौतनवा नगर पालिका अध्यक्ष गुड्डू खान ने केक काटकर इसके प्रति लोगो को जागरूक किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने जागरूक करते हुए बताया कि लोग समझते हैं कि दवा की गोली खा लेने से दर्द छू मंतर हो जाएगा पर ऐसा होता नहीं है कुछ देर की राहत के बाद दवा पर निर्भरता की स्थिति बन जाती है,जोकि हमारे शरीर के लिए घातक है, फिजियोथैरेपिस्ट डॉ0 जितेन्द्र ने बताया कि हमारे शरीर की क्षमता में ही शरीर का इलाज छुपा है जिसे फिजियोथेरेपी पद्धति ने पहचाना और लोगों का इलाज बिना दवा के करना शुरू किया।

गर्भवतियों का पंजीकरण बढ़ाने पर स्वास्थ्य विभाग का जोर

महराजगंज। कोरोना काल में महराजगंज जनपद में 6171 महिलाओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का लाभ मिल रहा है। पहली बार गर्भवती होने वाली महिला व प्रसव बाद जच्चा-बच्चा के बेहतर स्वास्थ्य के लिए केंद्र सरकार द्वारा जनवरी 2017 से प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की शुरुआत की गयी। इसके तहत गर्भवती का पंजीकरण कर उसे तीन किस्तों में पांच हजार रुपये की सहायता राशि देने की व्यवस्था बनाई गयी। इसके लिए लक्ष्यों का भी निर्धारण किया जाने लगा। वहीं 01 अप्रैल से 31 अगस्त तक 8438 के लक्ष्य के सापेक्ष 6171 गर्भवती का पंजीकरण किया गया जो लक्ष्य के सापेक्ष 73 प्रतिशत है। इसमें से अधिकांश को पहली किस्त की सहायता राशि उपलब्ध करा भी दी गयी है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के प्रभारी नोडल अधिकारी डॉ. आईए अंसारी ने बताया कि अधिक से अधिक गर्भवती का पंजीकरण कर उन्हें लाभान्वित करने के लिए सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को दिशा-निर्देशित किया गया है। जिला कार्यक्रम प्रबंधक नीरज सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत सिसवा सीएचसी ने 710 के सापेक्ष 684 गर्भवती का पंजीकरण कर 96 प्रतिशत उपलब्धि अर्जित किया है। इसी प्रकार निचलौल सीएचसी ने 88 प्रतिशत, मिठौरा ने 85 तथा घुघली ने 80 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया है। जबकि अन्य सीएचसी पीएचसी को भी अधिक से अधिक पंजीकरण पर जोर देने को कहा गया है। उन्होंने प्रथम बार गर्भवती होने वाली महिलाओं से अपील किया है कि इस योजना का लाभ लेने के लिए आशा, एएनएम से संपर्क कर पंजीकरण करा सकती हैं। इसके साथ ही प्रवासी पात्र महिलाएं भी आशा से संपर्क कर इस योजना का लाभ ले सकती हैं।

राज्य स्तर पर हेल्पलाइन नंबर जारी

जिला कार्यक्रम प्रबंधन ने बताया कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के बारें में जानकारी के लिए राज्य स्तर से हेल्पलाइन नंबर 7998799804 जारी किया गया है। जिस पर फोन करके कोई योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन करने की जानकारी हासिल कर सकता है।

लाभकारी है योजना

सदर ब्लाक के ग्राम पंचायत खुटहां निवासीनी प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना की तीन लाभार्थियों ने कहा कि जच्चा-बच्चा के लिए बहुत की कारगर योजना है।

प्रियंका, सीमा यादव तथा मंजू ने बताया कि बीते जुलाई माह तक तीन किस्तों में 5-5 हजार रूपये प्राप्त हो गए। इस धनराशि से पोषण में काफी सहूलियत मिली।

कैसे मिलती है सहायता राशि

- गर्भवती की पंजीकरण कराने के बाद पहली किस्त-1000 रूपये
- प्रसव पूर्व जांच कराने के बाद गर्भावस्था में दूसरी किस्त 2000 रूपये
- प्रसव पश्चात बच्चे का पंजीकरण टीकाकरण पूर्ण होने पर तीसरी किस्त-2000 रुपये

दो वर्षों से निर्माण कार्य पूरा होने को तरस रहा आंगनबाड़ी केंद्र

संत कबीर नगर। विकास खंण्ड बेलहर कला के अंतर्गत ग्राम पंचायत सिया कटाई पुरवा भंगुरी में बना आंगनबाड़ी केंद्र अभी तक निर्माण कार्य पूरा होने के लिए तरस रहा है ऐसी दशा में कहीं ना कहीं विकासखंड सरकार की मंशा पर पानी फेरने का कार्य कर रहा है।

प्रधान से पूछे जाने पर उत्तर प्राप्त हुआ कि यह कार्य ग्राम पंचायत नहीं करा रही थी। यह काम ठेकेदार के माध्यम से प्रारंभ हुआ किंतु किसी कारण बस या भवन निर्माण आधे अधूरे पर छोड़ दिया गया जिसकी सूचना ग्राम प्रधान को भी नहीं है यदि इसी तरह से भारत में सुशासन की व्यवस्था चलती रही और विकास कार्य का आईना जनता के सामने आते रहे तो जनता का कम , जनप्रतिनिधि अपना विकास करने में पीछे नहीं रहेंगे ऐसी सूरत में जहां एक तरफ शासन के उस दावे को नकारने में कामयाबी हासिल कर रहे हैं यह भ्रष्ट कर्मचारी अधिकारी वही लोग लोकतंत्र में घुन की तरह उसके चारों स्तंभ को निगलते नजर आ रहे हैं ऐसी सूरत में लोकतांत्रिक व्यवस्था को खुली चुनौती देते नजर आ रहे हैं जनप्रतिनिधि व ब्यूरोक्रेसी चूहे बिल्ली के तरह खेल खेल रहे हैं जिससे महात्मा गांधी के वो सपने जिसको उन्होंने देखा था पंचायत राज व्यवस्था और पंचायती राज उसको केवल दीमक की तरह चाटते नजर आ रहे हैं एक न एक दिन उसका नेस्तनाबूद हो जाएगा जनता त्रस्त जनप्रतिनिधि मस्त की कहानी को साकार करेंगे।

सामुदायिक शौचालयों का हो रहा है दोयम-सोयम ईटों से निर्माण

संतकबीरनगर/ नगर जहां पर प्रदेश सरकार की मंशा है की सभी ग्राम पंचायतों में सार्वजनिक शौचालय स्वच्छ एवं मजबूत बने वहीं पर ग्राम प्रधानों की नियत में खोट नजर आ रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकास खण्ड बेलहर कला अंतर्गत ग्राम पंचायत भेडौरा पिकौरा में सार्वजनिक शौचालय में अव्वल ईटों की जगह दोयम-सोयम ईटों का प्रयोग किया जा रहा है एवं सीमेंट भी बहुत ही कम मात्रा में इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर इसी तरह से सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण जारी रहा तो शौचालय बनने से पहले ही ध्वस्त हो जायेगा ।और सरकार की स्वच्छ भारत अभियान का सपना, सपना ही रह जायेगा।

सूखी नहरों को देखकर मायूस किसान

लखनऊ/मलिहाबाद। विभागीय अधिकारी शासन के मंसूबों पर फेर रहे पानी। सरकारी मशीनरी व सत्ता के चेहरे तो बदले लेकिन किसानों की हालत नहीं। करोड़ो रूपये खर्च होने के बावजूद नहर विभाग की उदासीनता बनी चिंता का कारण। मलिहाबाद तहसील क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में नहरों में पानी न आने से किसानो का सब्र टूट गया है किसानों की फसलें सूखने के कगार पे आ गयी सिंचाई विभाग की उदासीनता ने आहत किसान आमरण अनसन पे सोमवार से बैठ गए किसानों का कहना है कि सरकार व संबंधित अधिकारी जब तक हमारी मांगे पूरी नही करते तब तक धरना जारी रहेगा अन्यदाता कहे जाने वाले किसान अपनी फसलों को सूखता हुआ देख कर आहत है सबकी सरकार द्वारा कहा जा रहा है कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करना लेकिन प्रधानमंत्री मंत्री व मुख्यमंत्री के सपने को खुद उनके अधिकारी

पलीता लगा रहे है किसान रामविलास चंद्रिका साहू व संतोष कुमार मौर्य किसानों की समस्या को लेकर आमरण अनसन पर बैठ गए इनके साथ आस पास के किसान भी आमरण अनसन में शामिल हो गए भदेसर मऊ के किसान संतोष मौर्य ने बताया कि बार बार अधिकारियों को सूचना देने के बाद भी अभी तक नहरों की सफाई नही हुई कमीशन खोरी के चलते कागचो पे तो साफ़ सफाई दिखाई जा चुकी है लेकिन नहरों व माइनरों में जंगल खड़ा हुआ है।

पंचायत भवन के निकट इंडिया मार्का हैंडपम्प नहीं दे रहा स्वच्छ पानी

सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के शुद्ध पेयजल की व्यवस्था को बढ़िया बनाने के लिए ग्राम पंचायत में लगाए गए इंडिया मार्का हैंड पंप की देखभाल करने की जिम्मेदारी गांव के मुखिया को सौंपी है और निर्देश दिया है कि यदि इंडिया मार्का हैंडपंप मरम्मत कराने की स्थिति में हो तो उसे ठीक कराएं नहीं तो उसे रिबोर करा कर ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। प्राप्त जानकारी के अनुसार बेलहर कला अंतर्गत ग्राम पंचायत गुनवाखोर में पंचायत भवन के निकट इंडिया मार्का हेण्ड पंम्प पानी दूषित दे रहा है। और गांव के मुखिया का नजर नहीं पड़ रहा है।

नाली की सफाई न होने से सड़क पर भरा बरसात का पानी

महराजगंज/गुलरिहा जंगल। लक्ष्मीपुर ब्लॉक में ग्राम सभा टेढ़ी में सफाई कर्मचारी द्वारा नाली का सफाई न होने के कारण बरसात का पानी सड़क पर भर गया हैं। जिससे न तो सड़क और न ही नाली का पता चल पा रहा हैं जिससे लोग गिरकर घायल हो रहे हैं बरसात का पानी सडक पर भरे रहने की वजह से सडक और नाली का अंदाज़ा लगाना मुश्किल हो गया हैं।और राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। बता दे कि ग्राम सभा टेढ़ी में काफी दिनों से नाली की सफाई नही हुई हैं जिसका पोल बारिस में खुल गया हैं इस ग्राम सभा मे सफाई कर्मचारी नियुक्त हैं लेकिन सफाई पर उसका बिल्कुल ध्यान हैं जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता हैं। भारत के प्रधानमंत्री स्वच्छता अभियान पर पूरा जोर लगाए हैं लेकिन जिम्मेदार पीएम के आदेशों को मानने से कतराते हुए नजर आ रहे हैं। जिससे ग्रामीणों और राहगीरों को काफी परेशानीयों का सामना करना पड़ रहा हैं।

पिकअप और बाइक की टक्कर में बाइक सवार की मौत

महराजगंज। फरेंदा थाना अंतर्गत विधायक चौराहा एवं लेहड़ा खास के बीच पिकअप और बाइक की जोरदार टक्कर हो गई जिसमें मौके पर ही बाइक सवार की दर्दनाक मौत हो गई। जहां मौके की जानकारी लोगों ने पुलिस को दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं मृतक की पहचान घुघली थाना अंतर्गत ग्राम गोपाल का निवासी मनौवर पुत्र इदरीश उम्र करीब 25 वर्ष बताया गया है। वहीं घटनास्थल से पिकअप चालक फरार हो गया। जहां पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सड़क दुर्घटना में हुई दर्दनाक मौत

आलापुर। अधिवक्ता संघ आलापुर के निवर्तमान महामंत्री वरिष्ठ अधिवक्ता पंडित राकेश त्रिपाठी के पुत्र व वरिष्ठ पत्रकार व सम्पादक ज्योतिन्द्र के भान्ते देवांग तिवारी उम्र 16 वर्ष की सड़क दुर्घटना में आज प्रातः दर्दनाक मौत हो गयी। यह हादसा बसखारी थाना क्षेत्र उस समय हुआ जब वह कक्षा 11 में प्रवेश लेने जा रहे थे।कि विपरीत दिशा से आ रही पिकप वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी गम्भीर रूप से घायल होने पर इलाज हेतु जाते समय मृत्यु हो गयी। हादसे की जानकारी के बाद प्रेस क्लब अध्यक्ष आलापुर प्रदीप पाण्डेय की अध्यक्षता में एक शोकसभा का आयोजन किया गया जिसमें कन्तराज यादव डा अखिलेश त्रिपाठी ओकार मिश्र शैलेन्द्र मिश्र दिलीप सिंह दुष्यन्त यादव कुलदीप सिंह बृजेश सिंह जेपी सिंह अखिलेश जयसवाल आलोक यादव अनिल यादव मनोज यादव लालमणि गौड डा एस एन त्रिपाठी शम्भूदयाल शर्मा पियूष श्रीवास्तव सुरेश पाण्डेय सुशील तिवारी सहित तमाम लोग उपस्थित रहे ।अधिवक्ता संघ आलापुर मे भी शोकसभा का आयोजन अध्यक्ष अरूण कुमार चौबे की अध्यक्षता में आयोजित किया जिसमे अशोक मिश्र सुनीत ध्विवेदी शिव प्रसाद शुक्ल जगन्नाथ मिश्र गिरधारी तिवारी महेन्द्र मिश्र राम जियावन तिवारी अनिल श्रीवास्तव दिनेश योगेन्द्र यादव मेवालाल गिरी गजराज यादव रंजीत सिंह अरविंद सिंह सहित तमाम लोग उपस्थित रहे । सभी लोगों ने अश्रुपूरित नयनो से इस संकट की घड़ी में परिजनों को सहनशक्ति देने की परमात्मा प्रार्थना की।

बालू तस्करो पर एसडीएम का चला चाबुक बालू तस्करों में भगदड़

महाराजगंज तहसील नौतनवां के थाना सोनौली क्षेत्र के रोहिणी नदी पर नव नवागत एसडीएम प्रमोद कुमार ने अचानक छापेमारी कर दिए जिससे बालू तस्कर भाग घड़े हो गये सूत्रों द्वारा मिली जानकारी अनुसार बताया जा रहा है कि नौतनवा नवागत एसडीएम प्रमोद कुमार ने सोनौली क्षेत्र के रोहिणी नदी में बालू खनन की सूचना मिलने पर सीधे छापेमारी कर दिए जिससे इस छापेमारी से बालू तस्करों में हड़कप मच गई ,कुछ बालू तस्कर उनको आते देख भाग खड़े हुए सूत्रों द्वारा मिली जानकारी के अनुसार सोनौली कोतवाली पुलिस की मिलीभगत से बालू तस्करी काम को अंजाम दे रहे थे नौतनवां एसडीएम उक्त स्थान पर पहुंच कर बताया कि अब किसी भी दशा में बालू की तस्करी नहीं होने देंगे अगर कोई भी बालू तस्कर तस्करी करते हुए मिला तो उसकी खैर नहीं किसी भी कीमत पर उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

एसएसबी व वन विभाग की टीम ने साखू की लकड़ियों के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

महराजगंज एस एस बी व वन विभाग की टीम ने साखू के लकड़ियों के साथ एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार आपको बताते चलें की सोनौली जसवल पीलर नंबर 516/22 पर एस एस बी सोनौली एवं वन विभाग के द्वारा साखू की लकड़ियों को पकड़ा गया जिसमें स्लीपर 4 अदद , चीरान 7 अदद , बरामद हुआ है जिसको एक अभियुक्त साईकिल से लेकर जा रहा था तभी मुखबीर की सुचना पाकर एस एस बी व वन कर्मियों की टीम ने घेरा बंदी कर उन्हें धर दबोचा लकड़ी ले जा रहे अभुक्त से जब पूछताछ किया गया तो राम बचन पुत्र झीनक निवासी जिगिना थानाक्षेत्र परसा मलिक जनपद महराजगंज बताया साखू की लकड़ियों सहित साईकिल समेत अभियुक्तों को उत्तरी चौक पर लाया गया।

रेप आरोपी कुलदीप सेंगर के मामले में भाजपा की मिलीभगत को सामने लाये सीबीआईः अजय कुमार लल्लू

तत्कालीन डीएम और एसपी को किस भाजपा नेता का वरदहस्त प्राप्त था, बताएं योगीः अजय कुमार लल्लू

योगी सरकार के मंत्री भी सीधे सीधे कुलदीप सेंगर के पक्ष में कर रहे थे बैटिंग, उन पर भी हो कार्यवाहीः अजय कुमार लल्लू

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सीबीआई द्वारा उन्नाव के तत्कालीन जिलाधिकारी और दो एसपी को कुलदीप सिंह सेंगर बलात्कार मामले में लापरवाही बरतने के आरोप में सीबीआई द्वारा जाँच में दोषी पाए जाने में विभागीय कार्यवाही की संस्तुति किए जाने पर योगी सरकार पर सीधा हमला करते हुए कहा कि अब योगी सरकार में शामिल उन मंत्रियों के नाम सामने आने चाहिए जिन्होंने अपरोक्ष रूप से कुलदीप सिंह सेंगर की मदद की थी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी उन्नाव की बेटी के इंसाफ के लिए प्रतिबद्ध है। हम शुरू से कह रहे हैं कि इस पूरे मामले में बड़े बड़े ओहदेदार शामिल हैं। सीबीआई ने तीन अधिकारियों तत्कालीन डीएम अदिति सिंह, एसपी नेहा पांडेय, पुष्पांजलि और अपर पुलिस अधीक्षक अष्टभुजा सिंह के खिलाफ कार्यवाही की सिफारिश की है। यह अभी शुरुआत है। कुलदीप सिंह सेंगर को राजनीतिक संरक्षण देने वाले बेनकाब होने चाहिए ताकि दुनिया को सच्चाई का पता चले कि बेटी बचाओ और बेटी पढ़ाओ का नारा देने वाले किस तरह से एक बलात्कारी की पैरोकारी में लगे हुए थे।उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कुलदीप सिंह सेंगर मामले में योगी सरकार पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि योगी सरकार में शामिल मंत्रियों और विधायकों के नाम अब सामने आने चाहिए। आखिर उन्नाव के तत्कालीन जिलाधिकरी और पुलिस अधीक्षक किन भाजपा नेताओं के इशारे पर बलात्कारी कुलदीप सिंह सेंगर की मदद कर रहे थे।अजय कुमार लल्लू ने आगे कहा कि उस समय भाजपा सरकार के कई मंत्री और विधायक खुले तौर पर बलात्कारी कुलदीप सेंगर का बचाव कर रहे थे। क्या योगी आदित्यनाथ इन विधायक मंत्रियों पर भी कोई कार्यवाही करेंगे?

उसका मार्ग पर पिकअप ने मारा साईकिल सवार को ठोकर साईकिल सवार की हुई दर्दनाक मौत

महराजगंज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र के पावर हाउस के सामने भीषण एक्सीडेंट मे साईकिल सवार की हुई मौत।मृतक की पहचान राधेश्याम गौड़ निवासी सहजनवां बाबू के रुप मे हुई।घटना की सूचना मिलते ही बृजमनगंज पुलिस फोर्स घटना स्थल पर पहुंची।तत्काल 108 नंबर एंबुलेंस बुलाकर सीएचसी बृजमनगंज ले जा रहे थे की बीच रास्ते में युवक की मौत हो गई। इस घटना के बारे में पूछताछ करने पर मीडिया को मृतक के दमाद राजाराम गौड़ निवासी सौरहा बृजमनगंज ने बताया कि मृतक हमारे ससुर थे उनका नाम राधेश्याम गौड़ पुत्र डेबर उम्र लगभग 55 वर्ष है वह बिजली का बिल जमा करने के लिए आज सहजनवां बाबू से आने वाले थे।आज लगभग दोपहर दो बजे मोबाइल पर काल आया अचानक आपके किसी रिस्तेदार का एक्सीडेंट बृजमनगंज उसका मार्ग पावर हाउस के सामने हो गया।यह काल एक्सीडेंट मे घायल ब्यक्ति के फोन से हुआ था।वहां पहुंचने पर देखा कि खून से लथपथ घायल अवस्था में हमारे ससुर है।सर मे चोट लगने से काफी खून सड़क पर बिखरा हुआ था।वहां से गुजर रहे लोगों ने एवं आसपास के ग्रामीणों ने बताया कि मृतक राधेश्याम साईकिल से उसका की तरफ जा रहे थे पीछे से अग्यात तेज रफ्तार से आ रही पिकअप ने साईकिल सवार को ठोकर मार कर भाग गया।ठोकर इतना जबरदस्त था युवक तत्काल साईकिल सहित सडक़ पर गिरा।गिरते ही सर फट गया।सड़क पर अधिक खून गिर गया था मौके घटना स्थल पर बृजमनगंज पुलिस पहुंची। और तत्काल 108 नंबर एंबुलेंस से घायल राधेश्याम गौड़ को उपचार हेतु सीएचसी बृजमनगंज ले जा रहे थे उसी दौरान बीच रास्ते में ही युवक की मौत हो गई सीएचसी अस्पताल के डाक्टर ने उसे देखते ही मृत घोषित कर दिया।मृतक की पुत्री ने पिता के मृत्यु का समाचार सुनते ही सीएचसी पहुंच अपने पिता की लाश देखकर दहाड़े मारकर रोने लगी।घटना की सूचना मिलते ही भाजपा नेता राकेश जायसवाल, पूर्व जिला पंचायत सदस्य योगेंद्र यादव, सौरहा प्रधानप्रतिनिधि दिलीप गुप्ता मौके पर मौजूद रहे। थानाध्यक्ष संजय दूबे ने मृतक के परिजनों को आश्वासन दिया कि जल्द ही पिकअप की गिरफ्तारी कर ली जायेगी।बृजमनगंज पुलिस द्वारा शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए महराजगंज भेज दिया गया है।

सीओ कैंपियरगंज के कार्यालय से फर्जी दरोगा हुआ गिरफ्तार

गोरखपुर/ क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज दिनेश कुमार सिंह के तत्परता से फर्जी दरोगा बन अपने भाई के कार्ड पर हस्ताक्षर कराने आए क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज कार्यालय में किया गया गिरफ्तार पुलिस को सुपुर्द मुकदमा दर्ज। आज लगभग 11ः00 बजे क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज कार्यालय में सेवानिवृत्त दरोगा राम हरि चौरसिया अपना आई कार्ड प्रमाणित कराने हेतु वर्तमान में वर्दी पहना आई कार्ड प्रमाणित कराने हेतु वर्तमान में वर्दी पहना हुआ फोटोयुक्त आई कार्ड प्रमाणित कराने पहुंचा यह बताते हुए कि हम कैंपियरगंज सर्किल के कैंपियरगंज थाने पर डायल100/112 में तैनात है। क्षेत्राधिकारी कैंपियरगंज दिनेश कुमार सिंह को दरोगा पर शक हुआ तो थाना अध्यक्ष कैंपियरगंज से खोल कर उक्त दरोगा के बारे में जानकारियां प्राप्त किया तो सत्यता सामने आ गई थानाध्यक्ष कैंपियरगंज नवीन सिंह द्वारा बताया गया।

गर्ल फ्रेंड के बर्थडे में पहुंचे फ्रेंड सहित टीचर की मौत

गोरखपुर/नंदानगर दरगहिया निवासी आर्यमन यादव को भीड़ ने पीटकर मार डाला जो अपनी गर्लफ्रेंड के बर्थडे के मौके पर मिलने कुशीनगर गया था। वहीं विवाद हुआ और गोलीबारी में गोली लगने से एक शिक्षक की मौत हो गई। इसी आरोप में भीड़ ने पीटकर आर्यमन की हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार,सैनिककुंज निवासी एक महिला के साथ आर्यमन की दोस्ती थी। वह आर्यमन के स्कूल में पढ़ती थी। छात्रा का जन्मदिन था और लॉकडाउन होने की वजह से वह परिवार के साथ कुशीनगर अपने गांव चली गई थी। उसका जन्मदिन मनाने के लिए आर्यमन घर से निकला था। आर्यमन ने रविवार की रात डेढ़ बजे तक उससे बातचीत कर जन्मदिन की बधाई भी दी थी। आर्यमन के पास पिता की लाइसेंसी रिवाल्वर थी जिसे वह लेकर भाई की स्कूटी से गया था। इतनी सुबह बेटे को जाता देख मां अनिता देवी ने टोका भी था लेकिन आर्यमन ने दोस्त के घर जाकर नए जिम के बारे में जानकारी जुटाने की बात कही। बड़े भाई के मुताबिक, आर्यमन स्कूटी से सोनबरसा पहुंचा और वहां से अपने एक दोस्त को साथ ले लिया। फिर कुशीनगर गया था। जब घटना हुई तो आर्यमन का साथी भाग निकला। उधर, आर्यमन को पुलिस ने पकड़ लिया था लेकिन भीड़ ने उसे खींच कर उसकी हत्या कर दी। आर्यमन बड़ा भाई अभिषेक बीटेक कर रहा है। तरयासुजान पुलिस ने सबसे पहले अभिषेक को ही फोन कर सूचना दी थी। आर्यमन यादव नंदानगर के ही एक स्कूल में इंटर का छात्र था। वह कब घर से लाइसेंसी पिस्टल निकालकर अपने पास रख लिया इसकी भनक माता-पिता व भाई को नहीं लग सकी। भाई के मुताबिक आर्यमन ने कहा था कि वह दोस्त जिज्ञासु के घर जा रहा है। वह सुबह साढ़े पांच बजे ही घर से निकला था। उस वक्त पिता सुबह टहलने गए थे। जब काफी देर तक आर्यमन नहीं लौटा तो खोजबीन की गई। उसका मोबाइल फोन बंद जा रहा था। इसी बीच कुशीनगर से फोन आ गया। पता चला कि भीड़ ने आर्यमन की पीटकर हत्या कर दी है। आर्यमन पिता का लाइसेंसी पिस्टल लेकर क्यों गया था, इस सवाल का जवाब अभी तक नहीं मिल सका है। अगर उसे सिर्फ महिला मित्र का जन्मदिन मनाना था तो पिस्टल की जरूरत क्या थी। कहीं ऐसा तो नहीं कि उसे पहले से आशंका थी कि घरवाले विरोध कर सकते हैं जिस वजह से पिस्टल लेकर गया था। फिलहाल, पुलिस मामले की गुत्थी सुलझाने में जुटी हुई है। आर्यमन के दोस्त ने बताया कि आर्यमन काफी दिनों से लड़की के घर पर आता जाता था।

प्रश्नकाल पर पड़ी कोरोना की छाया

कोरोना की वजह से संसद का मॉनसून सत्र इस बार देर से शुरू हो रहा है। इस कारण इस बार संसद सत्र को लेकर कई तरह के बदलाव भी किए गए हैं। कई बार हंगामा प्रश्नकाल में होता है तो कई बार किसी विधेयक पर चर्चा के दौरान हंगामा होता है। कई बार संसद परिसर के अंदर अलग-अलग मुद्दों पर विपक्ष का धरना प्रदर्शन भी होता है। लेकिन इस बार संसद सत्र शुरू होने के पहले ही हंगामा मचा है। असल में हंगामा मचने की वजह यह है कि संसद के इस बार के मानसून सत्र में प्रश्न काल नहीं होगा। इस बार सांसदों को प्रश्न काल के दौरान प्रश्न पूछने की इजाजत नहीं होगी। कोविड के चलते तमाम बदलावों के बीच यह विशेष बदलाव संसद की कार्यवाही में देखने को मिल रहा है। प्रश्नकाल के ना होने के चलते इस मुद्दे पर बहस और चर्चाओं का दौर सियासी गलियारों में गर्म है। सरकार के इस फैसले को लेकर विपक्ष के सांसद आपत्ति जता रहे हैं।

कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और शशि थरूर ने भी सोशल मीडिया पर सरकार के इस फैसले की आलोचना की है। दो ट्वीट के जरिए शशि थरूर ने कहा है कि हमें सुरक्षित रखने के नाम पर ये सब किया जा रहा है। टीएमसी के सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने ट्वीट करके कहा है कि, 'विपक्ष अब सरकार से सवाल भी नहीं पूछ सकता। 1950 के बाद पहली बार ऐसा हो रहा है? वैसे तो संसद का सत्र जितने घंटे चलना चाहिए उतने ही घंटे चल रहा है, तो फिर प्रश्न काल क्यों कैंसल किया गया. कोरोना का हवाला दे कर लोकतंत्र की हत्या की जा रही है।' तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस के विरोध को लेफ्ट पार्टी से भी समर्थन मिला है। सीपीआई के राज्यसभा सांसद विनॉय विश्वम ने राज्यसभा के सभापति वेंकैया नायडू को चिट्ठी लिख कर अपनी आपत्ति दर्ज कराई है। चिट्ठी में उन्होंने लिखा है कि प्रश्न काल और प्राइवेट मेम्बर बिजनेस को खत्म करना बिल्कुल गलत है और इसे दोबारा से संसद की कार्यसूची में शामिल किया जाना चाहिए। ऐसी ही एक चिट्ठी लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने भी लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को लिखी थी।

वास्तव में प्रश्नकाल संसदीय कार्यवाही का 'प्राण' है। इसे सबसे जीवंत समय या घंटा माना गया है। तब न तो हमारी संसद थी और न ही ऐसी संसदीय और विधायी व्यवस्था थी। प्रश्नकाल के दौरान लोकसभा सदस्य प्रशासन और सरकार के कार्यकलापों के प्रत्येक पहलू पर प्रश्न पूछ सकते हैं। यह ऐसी व्यवस्था है, जिसमें कोई भी पक्ष और राजनेता 'तानाशाह' नहीं हो सकते। जनता के प्रति उनकी जवाबदेही उनकी संवैधानिक प्रतिबद्धता भी है। प्रश्नकाल संसदीय कार्यप्रणाली की 'आत्मा' है। मौजूदा लोकसभा के दौरान अभी तक करीब 15,000 प्रश्न पूछे जा चुके है। भारत ने यह पद्धति इंग्लैंड से ग्रहण की है जहां सबसे पहले 1721 में इसकी शुरुआत हुई थी. भारत में संसदीय प्रश्न पूछने की शुरुआत 1892 के भारतीय परिषद् अधिनियम के तहत हुई। आजादी से पहले भारत में प्रश्न पूछने के अधिकार पर कई प्रतिबंध लगे हुए थे। लेकिन आजादी के बाद उन प्रतिबंधों का खत्म कर दिया गया। अब संसद सदस्य लोक महत्व के किसी ऐसे विषय पर जानकारी प्राप्त करने के लिए सवाल पूछ सकते हैं जो मंत्री के विशेष संज्ञान में हो। प्रश्नकाल का महत्त्व इससे समझना चाहिए कि देश की स्वतंत्रता से बहुत पहले 1893 में सरकार से सवाल किया गया था।

इस बार संसद का मॉनसून सत्र 14 सितंबर से शुरू हो रहा है। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही पहले दिन को छोड़ कर दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक होगी। पहले दिन दोनों ही सदन सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक चलेंगे। इसके अलावा सांसदों के बैठने की जगह में भी बदलाव किए गए हैं, ताकि कोरोना के दौर में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जा सके। इस बार का सत्र शनिवार और रविवार को भी चलेगा, ताकि संसद का सत्र जितने घंटे चलना जरूरी है, उस समयावधि को पूरा किया जा सके। इस सत्र में प्राइवेट मेम्बर बिजनेस की इजाजत नहीं दी गई है, शून्य काल होगा और सांसद जनता से जुड़े जरूरी मुद्दे भी उठा सकेंगे, लेकिन उसकी अवधि घटा कर 30 मिनट कर दी गई है।

प्रश्नकाल के दौरान सरकार को कसौटी पर परखा जाता है। प्रत्येक मंत्री जिनकी प्रश्नों का उत्तर देने की बारी होती है, वो खड़े होकर अपने प्रशासनिक कामों के बारे में उत्तर देते हैं। प्रश्नकाल के दौरान पूछे गए प्रश्न तीन प्रकार के होते हैं- तारांकित प्रश्न, अतारांकित प्रश्न और अल्प सूचना प्रश्न। संसद के दोनों सदनों में, अलग-अलग व्यवस्था के तहत, सांसद मंत्रियों से सवाल करते हैं और मंत्रालयों की गतिविधियों के लिए उन्हें जवाबदेह ठहराते हैं। संसदीय प्रणाली में प्रश्न पूछना एक सांसद का संवैधानिक अधिकार है, क्योंकि वह भी निर्वाचित जन-प्रतिनिधि है और एक विशेष क्षेत्र का संसद में प्रतिनिधित्व करता है। प्रश्नकाल के जरिए मंत्रालय के भीतर की वित्तीय विसंगतियां और अनियमितताएं भी बेनकाब होती रही हैं। पूरा डाटा और सूचनाएं सार्वजनिक होती रही हैं। यही लोकतंत्र की संवैधानिक प्रक्रिया है, जिसके जरिए जनता अपनी सरकार के कारनामों को जान सकती है और उसके मुताबिक निर्णय ले सकती है। प्रश्नकाल का महत्त्व इसलिए भी है कि सदन में अन्य सांसद पूरक प्रश्न भी पूछ सकते हैं। प्रश्नकाल के बाद ही एक घंटे के लिए शून्यकाल की व्यवस्था की गई है। हालांकि शून्यकाल एक नई शुरुआत है और संसदीय नियमों में उसका उल्लेख नहीं है। भारतीय संसद के पहले दशक में इसकी शुरुआत की गई, जब सांसदों ने महसूस किया कि महत्त्वपूर्ण क्षेत्रीय और राष्ट्रीय विषयों को भी उठाया जाए।

संसदीय इतिहास के पन्ने खंगाले तो वर्ष 1962, 1975-76, 1991, 2004 और 2009 में कई बार, अलग-अलग कारणों से, प्रश्नकाल स्थगित करने पड़े हैं। राज्यसभा में भी बीते पांच सालों के दौरान प्रश्नकाल का 60 फीसदी समय बर्बाद हुआ है और 40 फीसदी समय में ही सवाल-जवाब किए जा सके हैं। लेकिन तब भी संसद सत्र शुरू होने से पहले आधिकारिक घोषणाएं नहीं की गई थीं कि अमुक सत्र में प्रश्नकाल नहीं होगा। यकीनन यह एक बेहद गंभीर मुद्दा है। वैसे तो सांसद लिखित तौर पर सवाल मंत्रालयों को भेजते ही हैं और मंत्रालय, मंत्री के आधार पर, उनके लिखित जवाब देते हैं। अधिकतर अतारांकित प्रश्न होते हैं। उन सवाल-जवाबों के दस्तावेजी रिकॉर्ड छपे भी जाते हैं और संसद कवर करने वाले पत्रकारों को उपलब्ध भी कराए जाते हैं।

हालांकि कुछ सालों के दौरान प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष, कुछ अन्य मुद्दों पर, हंगामा करता रहा है। नतीजतन सदन की कार्यवाही स्थगित करनी पड़ती रही है। विपक्ष के विरोध के मद्देनजर हालांकि सरकार की तरफ से विपक्ष को भरोसा दिलाया गया है कि प्रश्न काल की उनकी मांग पर विचार किया जाएगा। संसद का पिछला सत्र 29 मार्च तक चला था। उस वक्त कुछ सांसदों नें कोरोना के माहौल को देखते हुए संसद सत्र जल्द समाप्त करने की मांग की थी। लेकिन तब उनकी मांग को एक बार ठुकरा दिया था। कोरोना महामारी का आतंक इतना सवार नहीं होना चाहिए कि प्रश्नकाल जैसी व्यवस्था की ही बलि चढ़ा दी जाए। सरकार को इस मुद्दे पर गंभीरता से सोचना चाहिए, आखिरकार ये संसदीय प्रणाली की आत्मा से जुड़ा प्रश्न है।

लेखक राज्य मुख्यालय पर मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।

सम्पादकीय

शिक्षा हो हर बच्चे का अधिकार

राकेश और शेखर (परिवर्तित नाम) ने अपने भविष्य का सुनहरा सपना देखा था. लेकिन कोरोना संकट में उनके पिता और बड़े भाई की नौकरी छूट गयी और इन दोनों भाइयों को अपने परिवार की सहायता के लिए पढ़ाई छोड़कर गैरेज में काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा. ऐसे और भी बहुत सारे बच्चे हैं, जो ऐसी समस्याओं का सामना कर रहे हैं. भारत में लॉकडाउन के कारण 15 लाख स्कूल बंद हुए हैं, जिसका प्रभाव 24.70 करोड़ बच्चों पर पड़ा है, (इनमें 11.90 करोड़ सिर्फ लड़कियां हैं), जो प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा से जुड़े हैं. इसके अलावा, देश के 13.70 लाख आंगनबाड़ी केंद्रों में प्री-स्कूल शिक्षा प्राप्त कर रहे 2.85 करोड़ बच्चों पर भी इसका असर पड़ा है. यह संख्या उन 60 लाख लड़के एवं लड़कियों से अलग है, जो कोविड-19 संकट से पहले ही स्कूल छोड़ चुके हैं. झारखंड में वर्तमान में लगभग 47 लाख बच्चे सरकारी स्कूलों में कक्षा (1-12) में नामांकित हैं, जो 21 मार्च, 2020 के बाद से स्कूल बंद होने के कारण पढ़ाई से वंचित हैं. कई महीने से स्कूल बंद हैं. इसका प्रभाव न केवल बच्चों की शिक्षा पर पड़ा है, बल्कि उनके मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ा है क्योंकि यह कोई नियमित बंदी नहीं है. घूमने-फिरने पर प्रतिबंध से उनके खेल एवं मनोरंजन तथा दोस्तों के साथ संवाद में कमी आयी है. वर्तमान आर्थिक संकट तथा स्कूलों में चलने वाली मिड-डे मील, टीकाकरण तथा कृमि उन्मूलन जैसी सेवाओं के बाधित होने का असर भी उन पर पड़ा है. इसका प्रभाव विशेष रूप से गरीब परिवारों, अनुसूचित जाति एवं जनजाति समुदाय के बच्चे, एकल माता-पिता वाले तथा नशे की समस्या से पीड़ित परिवार के बच्चों तथा दिव्यांग बालक-बालिकाओं पर पड़ा है.

ऑनलाइन शिक्षा तक पहुंच भी बड़ी समस्या है. हालांकि झारखंड में सरकार द्वारा डिजिटल शिक्षण सामग्री साझा की जा रही है, लेकिन इसकी पहुंच काफी कम है, जिसका कारण इंटरनेट कनेक्टिविटी तथा सेवाओं की निरंतरता की समस्या है. स्मार्ट फोन का उपयोग पढ़ाई के वास्तविक साधन के रूप में नहीं हो सकता. ग्रामीण बच्चों को, विशेषकर दूरदराज के बच्चों को जहां पहुंच और कनेक्टिविटी के मुद्दे से जूझना पड़ रहा है, वहीं शहरी झुग्गियों के बच्चों के सामने दूसरी चुनौतियां हैं, जैसे- परिवार के कई सदस्यों के साथ छोटे घरों में रहना और यदि वे कंटेनमेंट जोन में हैं, तो प्रतिबंधों का सामना करना. दूसरे राज्यों में रहनेवाले झारखंड के कई परिवार वर्तमान संकट के कारण वापस लौटे हैं. इन परिवारों के बच्चों को यहां शिक्षा के लिए भाषा और सिलेबस की समस्या का सामना करना पड़ सकता है. बच्चों तक सीखने की सामग्री पहुंचना सुनिश्चित करने के लिए स्कूली शिक्षा और साक्षरता विभाग ने बड़ी संख्या में शिक्षकों तथा रिसोर्स पर्सन्स के साथ व्हाट्सप ग्रुप का एक नेटवर्क बनाया है, जिसमें 12 लाख से अधिक छात्र जुड़े हैं. इस ग्रुप से हर दिन डिजिटल सामग्री साझा की जाती है. शिक्षा विभाग के साथ मिलकर यूनिसेफ इस पर काम कर रहा है तथा शिक्षण सामग्री का चयन करने में सरकार का सहयोग कर रहा है. झारखंड शिक्षा विभाग डिजिटल शिक्षा संसाधनों के राष्ट्रीय मंच के उपयोग को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहा है. हमने इंटरनेट कनेक्टिविटी के मुद्दे सामने आने के बाद बच्चों के लिए शैक्षिक सामग्री तक पहुंच के दायरे को बढ़ाया है. दूरदर्शन पर उपयोगी कार्यक्रमों के प्रसारण के अलावा कक्षाओं के अनुरूप शिक्षण सामग्री भी प्रस्तुत की जा रही है.

बच्चों की शिक्षा में मदद करने के लिए संयुक्त प्रयास से बेहतर तरीका और हो नहीं सकता. यूनिसेफ ने झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के साथ मिलकर प्रमुख सामाजिक संगठनों के साथ अलायंस किया है. इसके माध्यम से हम दुर्गम क्षेत्रों में पहुंचने की कोशिश करते हैं. कई ऐसी शैक्षणिक गतिविधियां हैं, जो बच्चे स्वतंत्र रूप से या सीमित सहयोग के साथ कर सकते हैं, जैसे बच्चों को पाठ्यपुस्तक से कहानी पढ़ने या घर के लिए बजट बनाने के लिए कहा जा सकता है. बड़ों की कहानी के माध्यम से बच्चों को सीखने में योगदान दिया जा सकता है या बच्चों को खुद कहानी आदि लिखने के लिए प्रेरित किया जा सकता है. घर के बड़ों से बच्चों का संवाद तथा उनके बचपन के अनुभवों के बारे में जानना बच्चों में यह समझ विकसित कर सकता है कि इतिहास केवल महत्वपूर्ण तिथियों या लोगों के बारे में नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन के अनुभवों का एक हिस्सा है. परिवारों में खेले जानेवाले खेल परिवारों के सदस्यों के बीच संबंधों को मजबूत करते ही हैं, बल्कि ये बच्चों के मानसिक एवं सामाजिक विकास के लिए भी अच्छे हैं. इस प्रकार परिवार बच्चे की सीखने की यात्रा में अहम हिस्सा बन सकता है. कोरोना महामारी ने हमें एक महत्वपूर्ण अंतदृष्टि दी है कि न केवल बच्चों के साथ, बल्कि उनके समुदाय और परिवार के साथ भी जुड़ने और काम करने की आवश्यकता है, ताकि घर पर बच्चों को सीखने हेतु बेहतर वातावरण का निर्माण सुनिश्चित किया जा सके. मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि माता-पिता और शिक्षकों के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे बच्चों के साथ नियमित रूप से बात करें और उनके मानसिक स्वास्थ्य को सुनिश्चित करें.

तिमाही जीडीपी दर ऋणात्मक बने रहने की संभावना

डॉ. हनुमंत यादव

विगत सप्ताह राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय एनएसओ द्वारा जारी सूचना के अनुसार जीडीपी अर्थात सकल घरेलू उत्पादन पिछले साल 2019 की तिमाही की 35.35 लाख करोड़ रुपये की तुलना में चालू साल 2020 की अप्रैल-जून तिमाही में घटकर 26.90 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इस प्रकार जीडीपी में 8.45 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है अर्थात चालू वित्तीय साल की पहली तिमाही में जीडीपी में 23.90 प्रतिशत की गिरावट आई है। दूसरे शब्दों में कोरोना महामारी के संक्रमण से बचाव हेतु किए गए लॉकडाउन के कारण अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी वृद्धिदर शून्य से भी नीचे गिरकर ऋ णात्मक रही। सरकार द्वारा जीडीपी में गिरावट की अधिकृत जानकारी अभी जारी की गई है किंतु अनेक अर्थशास्त्रियों द्वारा मार्च के अंतिम सप्ताह में देश में लॉकडाउन घोषित कर दिए जाने के बाद से ही इसी प्रकार की संभावनाएं व्यक्त की गई थी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन कार्यालय द्वारा वर्ष 1996 से सालाना जीडीपी वृद्धि दर के साथ-साथ तिमाही अवधि के लिए भी गणना करके आंकड़े जारी करना प्रारंभ किया गया था। तब से आज तक के 24 साल के इतिहास में पहली बार पहली बार तिमाही जीडीपी वृद्धि दर शून्य से नीचे गिरकर ऋ णात्मक हुई है जिसका श्रेय निश्चय ही कोरोना महामारी विशालकाय संक्रमण को जाता है। जीडीपी वृद्धि दर किसी भी देश के आर्थिक विकास की दशा और गति का सूचक होती है। किसी भी देश में एक साल की अवधि में उत्पादन किए जानेवाली सभी वस्तुओं और सेवाओं के कुल मूल्य को सकल घरेलू उत्पाद या जीडीपी कहते हैं। इस प्रकार जीडीपी किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की स्थिति को दर्शाती है। जीडीपी की गणना अब एक वर्ष के साथ-साथ तिमाही और छरूमाही आधार पर की जाने लगी है। जीडीपी में कृषि, खनन, उद्योग, मैन्यूफैक्चरिंग, विद्युत, निर्माण, रीयल इस्टेट, सेवा क्षेत्र की समस्त सेवाओं के उत्पादन मूल्य को शामिल किया जाता है। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कृषि क्षेत्र को छोड़कर उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के उत्पादन में पिछले साल की अप्रैल-जून तिमाही की तुलना में गिरावट रही। कृषि क्षेत्र में पिछले साल की तिमाही की तुलना में 3.4 फीसदी वृद्धि दर्ज की गई जबकि उद्योग क्षेत्र के उत्पादनों के मूल्य में 38.1 फीसदी तथा सेवा क्षेत्र के उत्पादन मूल्यों में 20.6 फीसदी की गिरावट रही। सबसे अधिक गिरावट 50.3 फीसदी कंस्ट्रक्शन सेक्टर में दर्ज की गई। खनन क्षेत्र में 23.3 फीसदी, मैन्युफेक्चरिंग सेक्टर में 39.3 प्रतिशत, तथा विद्युत उत्पादन में 7 प्रतिशत की गिरावट आई। सेवा क्षेत्र के व्यापार एवं होटल व्यवसाय में 47.0 फीसदी, रीयल इस्टेट में 5.3 फीसदी तथा लोक प्रशासन सेवा क्षेत्र में 10.3 फीसदी गिरावट रही। देखा जाय तो 2019-20 वित्तीय वर्ष की अप्रेल-जून तिमाही से ही सभी क्षेत्रों के उत्पादन में धीमापन आना प्रारंभ हो गया था। वर्ष 2019 की अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 5.0 प्रतिशत थी। उसके बाद आर्थिक सुस्ती के कारण जीडीपी वृद्धि दर जुलाई-सितंबर तिमाही में 4.7 प्रतिशत, अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में 4.5 प्रतिशत तथा जनवरी-मार्च 2020 की तिमाही में धीमी होते हुए 3.1 फीसदी पहुंच गई थी। भारत के लॉकडाउन के सबंध में अकसर यह सुनने को मिलता रहता है कि यहां पर बिना तैयारी के जल्दबाजी में लॉकडाउन घोषित कर दिया था इसीलिए उत्पादन और रोजगार में इतनी भारी गिरावट आई। किंतु यदि विश्व के बड़े 20 देशों में लागू किए गए लॉकडाउन का अप्रैल-जून तिमाही के जीडीपी दर पर एक नजर डालें तो नजर आता है कि चीन को छोड़कर सभी देशों में अप्रैल-जून 2020 की तिमाही में जीडीपी दर शून्य से नीचे गिरकर ऋणात्मक रही है। संयुक्त राज्य अमेरिका की जीडीपी दर में गिरावट सबसे अधिक- 32.9 फीसदी दर्ज की गई। ग्रेट ब्रिटेन की जीडीपी ऋ णात्मक दर- 20.4 प्रतिशत यूरोप के अन्य देशों की तुलना में अधिक रही है। अन्य बड़े विकसित देशों की ऋ णात्मक दर इस प्रकार रही है, फ्रांस-13.8, इटली -12.4, कनाडा-12.0, और जर्मनी की -10.1 फीसदी रही है। एशिया में जापान की वृद्धि दर अन्य देशों की तुलना सबसे अधिक ऋ णात्मक -7.6 प्रतिशत दर्ज की गई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2018-19 में कई अवसरों पर यह ऐलान किया था कि वे वर्ष 2024-25 तक भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था को देश बनाना चाहते हैं। उस समय भारत की सालाना जीडीपी वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत थी। वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने भी वर्ष 2019-20 का केन्द्रीय बजट पेश करते हुए अपने बजट को 5 ट्रिलियन डॉलर इकोनामी की दिशा में पहला कदम बताया था। इसके लिए बहुत जरूरी था कि भारत की जीडीपी ग्रोथ डबल डिजिट में हो। वास्तविकता यह है कि अभी तक सालाना डबल डिजिट ग्रोथ प्राप्त करना तो दूर की बात है किसी तिमाही में भी डबल डिजिट ग्रोथ प्राप्त नहीं हो सकी है किंतु अप्रैल-जून तिमाही में कोरोना ने जीडीपी में डबल डिजिट गिरावट-23.9 प्रतिशत अवश्य दर्ज करवा दी है।लॉकडाउन के कारण भारत में करोड़ों श्रमिक बेरोजगार हो गए और उनके समक्ष रोजी-रोटी का संकट पैदा हो गया है। दूसरी ओर अमेरिका में लॉकडाउन की वजह से बेरोजगार हुए सभी श्रमिकों को उनके वेतन की 75 प्रतिशत राशि बेरोजगारी भत्ता के रूप में प्राप्त हो रही है, इसलिए वे आजीविका संकट से मुक्त रहे। यूरोप के देशों के श्रमिकों को भी बेरोजगारी भत्ता मिल रहा है।जिस प्रकार से किस्तों में लॉकडाउन में ढील दी जा रही है और औद्योगिक गतिविधियां और उत्पादन बढ़ना प्रारंभ हो रहा है उसके आधार पर कहा जा सकता है कि हर अगली तिमाही में 5 से 10 फीसदी उत्पादन में बढ़ोतरी होती रहेगी। किंतु तिमाही जीडीपी वृद्धि दर पिछले साल अर्थात वर्ष 2019 की जुलाई-सितंबर तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर से तुलना करके चालू वर्ष 2020 की तिमाही वृद्धि दर की गणना की जायेगी। इस विधि के आधार पर न केवल जुलाई-सितंबर बल्कि अक्टूबर-दिसंबर तिमाही की वृद्धि दर ऋणात्मक बनी रहने की संभावना है। यह एक अलग बात है कि यह ऋ णात्मक वृद्धि दर डबल डिजिट न होकर सिंगल डिजिट हो जाएगी। यदि दिसंबर तक लॉकडाउन समाप्त हो जाता है तो वर्ष 2021 की जनवरी-मार्च तिमाही में वृद्धि दर 1 से 2 फीसदी धनात्मक हो सकती है। जहां तक वर्ष 2020-21 की सालाना वृद्धि दर का सवाल है उसके 8 प्रतिशत गिरावट अर्थात जीडीपी दर के सिंगल डिजिट ऋ णात्मक रहने की संभावना है।

स्वास्थ्य तंत्र में सुधार की जरूरत

कोविड के संकट ने देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर विचार करने के लिये मजबूर कर दिया है। स्वास्थ मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नेशनल हेल्थ एकाउंट 2018 के अनुसार सरकार ने 2015-16 में स्वास्थ पर कुल 48,000 करोड़ रुपये खर्च किये थे। इसमें से 9,000 करोड़ सरकारी कर्मियों के स्वास्थ्य पर और 39,000 करोड़ रुपये शेष जनता के स्वास्थ्य पर खर्च किये गये। केन्द्र सरकार के कर्मियों की संख्या लगभग 31 लाख है। इनके परिजनों को जोड़ लें तो 1। 5 करोड़ सरकारी कर्मी लाभान्वित हुए होंगे। इनमें प्रत्येक पर 6,000 रुपये प्रति वर्ष का केन्द्र सरकार ने खर्च किया। इनकी तुलना में आम जनता पर जैसा ऊपर बताया गया है 39,000 करोड़ रुपये खर्च किये गये जिससे 131 करोड़ लोग लाभान्वित हुए। व्यक्ति लगभग 300 रुपये प्रति वर्ष खर्च किये गये। इस प्रकार केन्द्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मियों के स्वास्थ्य पर 6 हजार रुपये प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष खर्च किया जा रहा है जबकि आम आदमी पर 300 रुपये प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति। सरकारी स्वास्थ्य तन्त्र का मूल उद्देश्य सरकारी कर्मियों को स्वास्थ्य सेवा देना मात्र रह गया है। जनता से इन्हें सरोकार कम ही है।स्वास्थ खर्चों का दूसरा आयाम श्उपचारश् बनाम श्निरोधश् अथवा श्प्रिवेंटिवश् का है। सरकार के स्वास्थ्य खर्च दो प्रकार के होते हैं। बीमारी लगने के बाद जब आप अस्पताल में जाते हैं

और वहां आपको भरती किया जाता है और दवाएं दी जाती हैं तो उसे श्उपचारश् की श्रेणी में रखा जाता है। तुलना में, सिगरेट नहीं पीना, टीकाकरण, कैंसर का टेस्ट करना इत्यादि कार्यों को या श्निरोधकश् गतिविधियां कहते हैं। इन गतिविधियों से उपचार में खर्च कम करना होता है। जैसे यदि सरकार सिगरेट पीने के दुष्प्रभावों पर जनता को आगाह करे तो कैंसर कम होगा और कैंसर के उपचार में खर्च भी कम करना होगा। यदि निरोध सही मायने में किया जाए तो उपचार पर खर्च उसी अनुपात में कम हो जाता है। इस दृष्टि से देखें तो वर्ष 2015-16 में सरकार के कुल 48,000 करोड़ खर्च में से 36,000 करोड़ और निरोध पर मात्र 12,000 करोड़ रुपये खर्च किये गये। इस प्रकार हम एक दुष्चक्र में फंस गये हैं। निरोध पर खर्च कम होने के कारण रोग बढ़ रहे हैं और रोग बढ़ने से उपचार पर खर्च अधिक किया जा रहा है और तदनुसार निरोध पर खर्च कम किया जा रहा है। स्वास्थ्य खर्चों का तीसरा आयाम एलोपैथिक बनाम आयुर्वेद, होमियोपैथी इत्यादि उपचार विधियों का है। वर्ष 2020-21 के बजट में एलोपैथी के लिए 63,000 करोड़ रुपये आबंटित किये गये जबकि दूसरी स्वास्थ पद्धतियों जिन्हें आयुष के नाम से जाना जाता है उन पर केवल 2,100 करोड़ रुपए। एलोपैथी का स्वाभाव रोग होने के बाद उसके उपचार करने का है जबकि आयुर्वेद और होमियोपैथी इत्यादि का स्वभाव व्यक्ति के शरीर की मौलिक विसंगतियों को दूर करके उसे स्वस्थ बनाने का है जिससे कि रोग उत्पन्न ही न हो। सरकार ने आयुष पर खर्च कम करके यह सुनिश्चित किया है कि लोगों के शरीर कमजोर बने रहें, उन्हें रोग ज्यादा लगे और उनके उपचार की मांग बढ़े जिससे उपचार पर खर्च बढ़ने का आधार बना रहे। चौथा आयाम एलोपैथी में भी हाईटेक उपचार जैसे हृदय में स्टंट लगाना बनाम सामान्य उपचार जैसे खांसी और ठण्ड की दावा देने का है। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक फाईनेंस एंड पालिसी के गोविंदा राव ने हेल्थ केयर रिफार्म नाम से 2012 में एक पर्चा प्रकाशित किया था। इन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति में कहा गया था कि हाईटेक उपचार में कुल खर्च का केवल 10 प्रतिशत खर्च किया जाएगा। लेकिन वास्तव में यह 28 प्रतिशत है। इसमें उपचार जैसे हृदय में स्टंट लगाना या घुटने का प्रत्यारोपण करना इत्यादि शामिल हैं। इन हाईटेक उपचारों में डॉक्टरों को भारी आमदनी होती है इसलिए सरकारी डॉक्टरों की रुझान इस प्रकार के उपचार की ओर अधिक होता है और खांसी की दवा बांटने की ओर कम। निरोधक कार्यों से तो ये परहेज करना चाहते हैं चूंकि इन कार्य में आमदनी नहीं होती है। सरकारी अस्पतालों में हाईटेक उपचारों में दक्षता हासिल करने के बाद सरकारी डॉक्टर प्राइवेट प्रैक्टिस से भारी रकम अर्जित करते हैं। इस प्रकार सरकारी स्वस्थ्य खर्च डॉक्टरों की आमदनी के रास्ते खोलने के लिए किये जा रहे हैं न कि जनता के स्वास्थ्य की रक्षा के लिए। पांचवां आयाम है कि सरकारी खर्चों का बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य कर्मियों के वेतन में खप जा रहा है। गोविन्दा राव द्वारा बताया गया कि मध्य प्रदेश और उड़ीसा में राज्य सरकार द्वारा खर्च किये जानेवाले खर्च का 83 प्रतिशत सरकारी कर्मियों के वेतन में खप जाता है। अन्य दावा इत्यादि के लिए आबंटन हो ही नहीं पाता है। इन कर्मचारियों को दिए जाने वाला वेतन भी व्यर्थ ही जाता है जैसे किसान को फावड़ा न दिया जाए और खेती करने को कहा जाए। इन तमाम अव्यवस्थाओं को पटरी पर लाने के लिए सरकार को पहला कदम यह उठाना चाहिए कि सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ सर्विस सरकारी कर्मियों तक सीमित करने के स्थान पर सभी जनता के लिए खोल देना चाहिए। नीति आयोग के सलाहकार राकेश सरवाल ने यह सुझाव दिया है जिस पर सरकार को अमल करना चाहिए। दूसरा कदम यह कि स्वास्थ्य खर्चों में निरोधक गतिविधियों और आयुष पर खर्च बढ़ाना चाहिए और हाईटेक उपचार पर घटाना चाहिए। तीसरे सरकार को स्वास्थ्य खर्चों में वेतन की अधिकतम सीमा निर्धारित करनी चाहिए और उस सीमा से अधिक वेतन देय होने पर वेतन में उसी अनुपात में कटौती कर देनी चाहिए।हमें अपनी जीवन शैली पर भी विचार करना चाहिए। उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट पर वैद्य वाचस्पति त्रिपाठी के हवाले से प्रकाशित पत्रक में कहा गया है कि कुम्भ स्नान के दौरान करोड़ों लोगों के गंगा में स्नान करने से गंगा के जल में सूक्ष्म मात्रा में तमाम प्रकार के रोग के बैक्टीरिया फैल जाते हैं। दूसरे तीर्थ यात्री जब उसी गंगा में स्नान करते हैं तो सूक्ष्म मात्रा में यह बैक्टीरिया उनके शरीर में प्रवेश करते हैं और जिस प्रकार टीकाकरण से व्यक्ति की निरोधक शक्ति बढ़ती है उसी प्रकार कुम्भ में स्नान करने से व्यक्ति की निरोधक शक्ति बढ़ जाती है। इसलिए साधू लोग मानते हैं कि एक बार कुम्भ में नहा लो तो तीन साल की रोग से छुट्टी। इस प्रकार के खर्च रहित सांस्कृतिक गतिविधियों को सरकार को बढ़ाना चाहिए।परन्तु इन सब सुधारों को करने में डॉक्टरों और बहुराष्ट्रीय कम्पनियों का गठबंधन आड़े आता है। इनकी रुचि लोगों को हाईटेक उपचार करने में होती है इसलिए सरकार के खर्चों की दिशा वैसी ही हो जाती है। कोविड संकट के इस दौर में डॉक्टर बधाई के पात्र हैं जिस निष्ठा से वे सेवा कर रहे हैं वह अद्वितीय है। फिर भी सरकार को स्वास्थ्य तंत्र की इन मौलिक विसंगतियों को दूर करने पर भी कारगर कदम तत्काल उठाने चाहिए।

सार समाचार .....

सेरेना विलियम्स 53वीं बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली एजेंसी। अमेरिका की वर्ल्ड नंबर-8 टेनिस प्लेयर सेरेना विलियम्स ने यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। विलियम्स ने ग्रीस की मारिया सक्कारी को दो घंटे 28 मिनट तक चले मुकाबले में 6-3, 6-7(6) और 6-3 से हराया। वे 53वीं बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची। इस जीत के साथ ही सेरेना आर्थर ऐश स्टेडियम में 100 मैच जीतने वालीं पहली खिलाड़ी बनीं। उनके बाद रोजर फेडरर ने यहां सबसे ज्यादा 77 मैच जीते हैं।

दो हफ्ते पहले सक्कारी ने सेरेना को हराया था

13वीं सीड सक्कारी ने दो हफ्ते पहले ही सेरेना को वेस्टर्न एंड सदर्न ओपन टेनिस टूर्नामेंट में हराया था। हालांकि, इस बार सेरेना ने उन्हें मौका नहीं दिया और मुकाबला जीत लिया।

सेरेना का क्वार्टर फाइनल में पिरोनकोवा से मुकाबला

अब सेरेना का क्वार्टर फाइनल में मुकाबला बुल्गारिया की त्स्वेताना पिरोनकोवा से होगा। वे पिरोनकोवा से अब तक नहीं हारी हैं। दोनों के बीच 4 मुकाबले हुए हैं। पिरोनकोवा ने प्री-क्वार्टर फाइनल में एलिज कॉर्नेट को 6-4, 6-7(5), 6-3 से शिकस्त दी थी। बुल्गारिया की 32 साल की इस खिलाड़ी ने ढाई साल बाद यूएस ओपन से कोर्ट पर वापसी की है। उन्होंने बेटे के पैदा होने के बाद ब्रेक लिया था।

मैं जुनून के साथ खेलती रहूंगी- सेरेना

इस मैच के बाद विलियम्स ने कहा कि मैं हमेशा जुनून के साथ खेलती हूं और आगे भी इसे बरकरार रखूंगी। यह मेरा काम है। मैं सुबह उठकर यही करती हूं और साल के 365 दिन ही इसके लिए ट्रेनिंग करती हूं।

सेरेना इस टूर्नमेंट को जीतकर रिकॉर्ड 24वां ग्रैंड स्लैम टाइटल अपने नाम करना चाहती हैं। अगर वे ऐसा कर लेती हैं, तो मार्गरेट कोर्ट के रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगी।

सेरेना ने 3 साल पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता था

विलियम्स ने आखिरी बार 2017 में ऑस्ट्रेलियन ओपन ग्रैंड स्लैम का खिताब जीता था। उस वक्त वह अपनी बेटी ओलिंपिया को जन्म देने वाली थीं। हालांकि, वह इसके बाद 4 बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची, लेकिन खिताब नहीं जीत सकीं।

80 दिन तक आईपीएल की 'बायो-बबल' में अपनी अलग दुनिया होगी, इसके बाहर कोई नहीं जा सकता

बेंगलुरू एजेंसी।

आईपीएल का शेड्यूल जारी कर दिया गया। टीमें 20 अगस्त के आसपास ही दुबई पहुंच चुकी हैं। सभी खिलाड़ी, कोच, सपोर्ट स्टाफ और मैच ऑफिशियल्स को बायो-सिक्योर इन्वायरमेंट (जिसे बायो-बबल भी कहा जा रहा) में रखा गया है। 80 दिन तक इन सभी को इसी में रहना होगा। तो चलिए समझते हैं कि ये बायो-बबल है क्या? काम कैसे करता है? ये कोरोना से कैसे बचाएगा? अगर किसी खिलाड़ी ने बायो-बबल तोड़ा तो क्या होगा? ऐसे ही सवालों के जवाब खोजते हैं...

1. बायो-बबल क्या है?

आसान भाषा में कहें तो ये एक ऐसा वातावरण है, जिसमें रहने वाला बाहरी दुनिया से पूरी तरह कट जाता है। यानी, आईपीएल में हिस्सा ले रहे प्लेयर, सपोर्ट स्टाफ, मैच ऑफिशियल यहां तक की होटल स्टाफ और कोरोना टेस्ट करने वाली मेडिकल टीम तक को तय दायरे के बाहर जाने की अनुमति नहीं है। इसके दायरे में रहने वाला बाहरी दुनिया के किसी भी व्यक्ति के संपर्क में नहीं आ सकता।

2. ये कैसे काम करता है?

आईपीएल में हिस्सा ले रहे सभी खिलाड़ियों, कोच, सपोर्ट स्टाफ का दुबई पहुंचने से पहले दो बार कोरोना टेस्ट हुआ। दुबई पहुंचने पर सभी को सात दिन के लिए क्वारैंटाइन किया गया। इस दौरान तीन बार कोरोना टेस्ट हुए। जिनकी रिपोर्ट निगेटिव आई वो इस बबल में शामिल हुए। चेन्नई की टीम के 13 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर पूरी टीम का क्वारैंटाइन सात दिन और बढ़ा दिया गया। बबल में शामिल हर मेंबर को केवल ग्राउंड और उनके होटल में जाने की अनुमति होगी। इसके अलावा ये किसी से नहीं मिल सकेंगे। यहां तक की अपने फैन्स, दोस्त और रिश्तेदारों से भी नहीं।

टीवी ब्रॉडकास्ट में शामिल लोगों और बाकी स्टाफ को भी अलग बबल में रखा गया है।

बिग बैश लीग में खेलते नजर आ सकते हैं युवराज

नई दिल्ली | एजेंसी।

पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह अपनी एक नई पारी शुरू कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वे इस साल ऑस्ट्रेलियाई घरेलू डुटूर्नामेंट बिग बैश लीग (बीबीएल) में खेलते नजर आ सकते हैं। युवी ने पिछले साल भारतीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया, वे इस बार से आईपीएल भी नहीं खेल रहे हैं। युवराज विदेशी टी20 लीग खेलने वाले पहले भारतीय क्रिकेटर हैं। उन्होंने एनओसी लेने के बाद पिछले साल ग्लोबल टी20 कनाडा और अबु धाबी टी10 लीग में हिस्सा लिया। युवी कनाडा लीग की टोरंटो टीम के कप्तान थे।

3 दिसंबर से शुरू होगी बीबीएल

युवराज के मैनेजर जेसन वॉर्न ने द एज कहा, ''हम ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड के साथ काम कर रहे हैं।'' यह लीग 10वां सीजन 3 दिसंबर से 6 फरवरी के बीच खेला जाना है। कोई भी विदेशी लीग खेलने के लिए खिलाड़ी को भारतीय क्रिकेट से संन्यास लेना जरूरी होता है। इसमें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) भी शामिल है।

सचिन के पास बीबीएल में खेलने का माका था

वहीं, बीबीएल में भी अब तक कोई भारतीय प्लेयर नहीं खेल सका है। 2013-14 में सचिन तेंदुलकर के पास बीबीएल में खेलने का मौका था। उन्हें सिडनी थंडर टीम ने उन्हें अप्रोच किया था, लेकिन बात बन नहीं सकी थी। सचिन ने नवंबर 2013 में संन्यास ले लिया है।

आईपीएल में युवी पिछले साल मुंबई टीम की ओर से खेले थे

युवराज ने भारतीय टीम के लिए पिछला मैच 30 जून 2017 को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे खेला था। इसके बाद वे 2018 में आईपीएल टीम किंग्स इलेवन पंजाब और 2019 में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते नजर आए थे। इसके बाद उन्होंने क्रिकेट से संन्यास ले लिया था।

युवराज सिंह ने 40 टेस्ट में 1900 और 304 वनडे में 8701 रन बनाए हैं। उनके नाम 58 टी-20 में 1177 और आईपीएल के 132 मैच में 2750 रन दर्ज हैं।

तांबे और सहवाग भी विदेशी लीग खेल चुके

भारत की ओर से प्रवीण तांबे इस साल कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) में खेले हैं। वे त्रिनबागो नाइट राइडर्स टीम के सदस्य हैं। इनके अलावा मनप्रीत गोनी, वीरेंद्र सहवाग,

टीम इंडिया पर्थ की बजाय ब्रिस्बेन या एडिलेड से दौरा शुरू कर सकती है

नई दिल्ली एजेंसी। इस साल के आखिर में होने वाला टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा पर्थ की बजाय ब्रिस्बेन या एडिलेड से शुरू हो सकता है। क्योंकि वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने पर्थ में क्वारैंटाइन नियमों में ढील देने से इनकार कर दिया है। ऐसे में टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया पहुंचने पर ब्रिस्बेन या एडिलेड में 14 दिन का क्वारैंटाइन पीरियड पूरा कर सकती है। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया दौरा लिमिटेड ओवरों की सीरीज से शुरू हो सकता है। इसके बाद चार टेस्ट की सीरीज खेली जा सकती है। तीन-तीन मैचों की टी-20 और वनडे सीरीज पहले कराने का यह फायदा हो सकता है कि ओरिजिनल शेड्यूल में किसी मैच का नुकसान नहीं होगा। ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के बीच इस विकल्प पर चर्चा हो रही है, लेकिन दोनों बोर्ड ने अभी इस पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है।

आईपीएल को लेकर कोहली रिलैक्स

न्यूयार्क, एजेंसी। अब तक इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मिली नाकामियों से भुलाकर विराट कोहली और उनकी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर इस सीजन में उतरेगी। कोहली ने कहा कि मैं 2016 जैसी शांति महसूस कर रहा हूं। हमारी टीम सबसे संतुलित है। इस बार हम खिताब जीत सकते हैं। उन्होंने आरसीबी के यूट्यूब शो 'बोल्ड डायरीज' में यह बातें कहीं। 2016 में आरसीबी ने फाइनल खेला था। उस सीजन में कप्तान कोहली ने 4 शतक लगाए थे। लेकिन, टीम खिताब नहीं जीत सकी थी। कोहली और एबी डिविलियर्स जैसे खिलाड़ी होने के बावजूद टीम पिछले तीन सीजन में प्लेऑफ के लिए भी क्वालिफाई नहीं कर पाई।

आईपीएल को लेकर कोई दबाव नहीं- कोहली

कोहली ने कहा कि वह और डिविलियर्स दोनों महसूस कर रहे हैं कि इस सीजन में टीम को कामयाबी मिल सकती है। उन्होंने कहा कि मैंने सीजन से पहले अपने आप को इतना रिलैक्स कभी महसूस नहीं किया। एबी भी यही फील कर रहे हैं और पूरी तरह फिट होकर आए हैं। जहां तक आईपीएल के माहौल का सवाल है, तो मैं बेहतर और अधिक संतुलित महसूस कर रहा हूं।

आरसीबी के कप्तान ने कहा कि अतीत में क्या हुआ, हम इसे भुलाकर बिना दबाव के इस सीजन में खेलेंगे। हम पहले भी ऐसा कर चुके हैं। हमारे पास टैलेंटेड खिलाड़ी हैं और लोग उन्हें खेलते हुए देखना पसंद करते हैं। यही कारण है कि फैंस को टीम से उम्मीदें रहती हैं।

नेशंस लीग में क्रोएशिया के खिलाफ मैच नहीं खेलेंगे

दिल्ली | एजेंसी।

फ्रांस के स्ट्राइकर किलियन एम्बाप्पे कोरोनावायरस से संक्रमित हैं। वे यूईएफए नेशंस लीग में मंगलवार रात क्रोएशिया के खिलाफ होने वाले मुकाबले में नहीं खेलेंगे। फ्रेंच फुटबॉल फेडरेशन ने यह जानकारी दी। वे कोरोनावायरस से संक्रमित होने वाले फ्रेंच फुटबॉल क्लब पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) के सातवें खिलाड़ी हैं। उनसे पहले नेमार, माउरो इकार्डी, एंजेल डी मारिया, लिएंड्रो पेरेडेस, केलर नवास और मार्किनोस की रिपोर्ट पॉजिटिव आ चुकी है। यह सभी 6 खिलाड़ी पिछले महीने 23 अगस्त को बार्यन म्यूनिख के खिलाफ चैम्पियंस लीग के फाइनल के बाद स्पेन के आयलैंड इबिजा में छुट्टियां मनाने गए थे। एम्बाप्पे घर में आइसोलेशन में हैं कोरोना संक्रमित होने की जानकारी मिलते ही एम्बाप्पे फ्रांस टीम के कैंप को छोड़कर सोमवार रात घर लौट गए। वे फिलहाल घर पर ही आइसोलेट हैं। उनमें कोरोना के लक्षण नहीं हैं। पीएसजी मैनेजमेंट फ्रेंच फुटबॉल फेडरेशन से नाराज पीएसजी के स्पोर्टिंग डायरेक्टर लियोनार्डो एमबाप्पे के कोरोना संक्रमित होने के मामले पर फ्रेंच फुटबॉल एसोसिएशन से खफा हैं। उन्होंने कहा कि हमें किसी ने उनके संक्रमित होने की जानकारी नहीं दी। हमें मीडिया से पता चला कि हमारा एक खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव पाया गया है। उन्होंने बस एक बयान जारी कर बता दिया कि प्लेयर को उसके घर भेज दिया है। हमसे फेडरेशन की तरफ से किसी ने भी संपर्क नहीं किया।

एम्बाप्पे ने नेशंस लीग में स्वीडन को जीत दिलाई थी

स्मिथ और वॉर्नर शुरुआती मैच नहीं खेल सकेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों को क्वारैंटाइन में राहत देने की अपील को ठुकरा दिया है। इंग्लैड में चल रही सीमित ओवर की सीरीज खत्म होने पर यूएई आने पर दोनों टीम के खिलाड़ियों को 6 दिन सेल्फ आइसोलेशन में रहना होगा। यानी स्टीव स्मिथ, डेविड वार्नर, जोस बटलर, जॉनी बेयरस्टो जैसे बड़े खिलाड़ी शुरुआती मैच में नहीं खेल सकेंगे। इनमें इस बार सबसे महंगे 15.5 करोड़ रुपए में बिके ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज पैट कमिंस भी शामिल हैं। उन्हें कोलकाता नाइट राइडर्स ने खरीदा है।

खिलाड़ियों को छूट देने से सीजन पर खतरा- बीसीसीआई

बोर्ड के अधिकारी ने कहा कि हम सुरक्षा में ढील नहीं दे सकते। किसी को थोड़ी सी भी छूट देने से सीजन खतरे में आ जाएगा। फ्रेंचाइजी को इस फैक्ट के साथ आगे बढ़ना होगा कि उनके कुछ खिलाड़ी एक या दो मैचों में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। इन मुश्किल हालातों में हमें सतर्क रहना होगा।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया सीरीज 16 सितंबर को खत्म होगी

इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रही सीरीज 16 सितंबर को खत्म होगी। जबकि आईपीएल 19 सितंबर से शुरू होगा। अगर खिलाड़ी 17 सितंबर तक भी यूएई पहुंच जाते हैं, तो भी वो 23 सितंबर तक होने वाले मैच में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। लीग में ऑस्ट्रेलिया के 17 और इंग्लैंड के 13 खिलाड़ी खेलेंगे। इससे पहले, फ्रेंचाइजी ने कहा था कि दोनों देशों के खिलाड़ी पहले से ही बायो सिक्योर माहौल में हैं।

ऐसे में यूएई आने के बाद इन्हें क्वारैंटाइन होने की जरूरत नहीं। लेकिन

रोहन और डेविस की जोड़ी क्वार्टरफाइनल में बाहर

नई दिल्ली , एजेंसी। कोरोनावायरस के बीच न्यूयॉर्क में खेले जा रहे टेनिस ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन से भारत की चुनौती खत्म हो गई है। स्टार इंडियन प्लेयर रोहन बोपन्ना और उनके कनाडाई पार्टनर डेनिस शापोवालोव मेन्स डबल्स के क्वार्टरफाइनल में बाहर हो गए हैं। उन्हें नीदरलैंड के जीन-जूलियन रोजर और उनके रोमानिया के पार्टनर होरिया टेकू ने 7-5, 7-5 से हराया। इनके अलावा महिला सिंगल्स में अमेरिका की सोफिया केनिन भी टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उन्हें बेल्जियम की एलिसी मेर्टेंस ने 6-3, 6-3 से शिकस्त दी। वर्ल्ड नंबर-4 सोफिया ने इसी साल ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीता था। यह उनका पहला ग्रैंड स्लैम खिताब था। वे अब तक 6 में से एक भी बार यूएस ओपन में तीसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाई हैं।

दिविज और सुमित पहले ही बाहर हो चुके

दिविज शरण और सुमित नागल के बाद बोपन्ना इस टूर्नामेंट में इकलौते भारतीय थे। नागल को टूर्नामेंट के सिंगल्स के दूसरे दौर में ऑस्ट्रिया के डोमिनिक थिएम ने हराया था। वहीं शरण और उनके सर्बिया के निकोला कैकिक को डबल्स के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा था।

सेरेना विलियम्स भी क्वार्टरफाइनल में

6 बार की यूएस ओपन चैम्पियन सेरेना विलियम्स भी क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने वुमन्स सिंगल्स में ग्रीस की मारिया सक्कारी को 6-3, 7-6, 6-3 से हराया। यह उनकी रिकॉर्ड 105वीं जीत है। सेरेना मेंस और वुमेंस दोनों कैटेगरी में सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने पहला राउंड जीतते ही अमेरिका की क्रिस एवर्ट का रिकॉर्ड तोड़ा था।

वर्ल्ड नंबर-3 थिएम क्वार्टरफाइनल में पहुंचे

मेन्स सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर-3 थिएम और नंबर-5 रूस के डेनिल मेदवेदेव ने क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। थिएम ने कनाडा के फेलिक्स ओगेर अलाइसिमे को 7-6, 6-1, 6-1 से हराया। वहीं, मेदवेदेव ने अमेरिका के फ्रांसिस तिएफो को 6-4, 6-1, 6-0 से शिकस्त दी।

बार्सिलोना के साथ बने रहने के फैसले के 3 दिन बाद मेसी मैदान पर उतरे

दिल्ली | एजेंसी।

लियोनल मेसी ने बार्सिलोना के साथ बने रहने के फैसले के तीन दिन बाद ट्रेनिंग शुरू कर दी। क्लब ने उनकी ट्रेनिंग की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर कर यह जानकारी दी। पहले दिन मेसी ने अकेले ट्रेनिंग की। वे कोरोना टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आने के बाद ही टीम से जुड़ पाएंगे। 33 साल के इस खिलाड़ी का रोनाल्ड कोमैन के कोच बनने के बाद यह पहला ट्रेनिंग सेशन था। कोमैन को क्यूके सेटियन की जगह पिछले महीने टीम का हेड कोच बनाया गया है।बार्यन म्यूनिख के खिलाफ चैम्पियंस लीग में बार्सिलोना की हार के बाद सेटियन को हटा दिया गया था। कोमैन 2022 तक बार्सिलोना के कोच रहेंगे। मेसी ने बीते हफ्ते शुक्रवार को बार्सिलोना छोड़ने के अपने फैसले को बदला था। तब उन्होंने कहा था कि मैं खुश नहीं था, इसलिए क्लब छोड़ना चाहता था। लेकिन मुझे ऐसा नहीं करने दिया गया। मैं कानूनी लड़ाई नहीं लड़ना चाहता था। इसलिए एक साल रूकने का फैसला लिया।

चैम्पियंस लीग में हार के बाद मेसी ने बार्सिलोना छोड़ने का फैसला किया था

बीते महीने 15 अगस्त को चैम्पियंस लीग के क्वार्टरफाइनल में जर्मनी के क्लब बायर्न म्यूनिख ने बार्सिलोना को 8-2 से हराया था। यह क्लब की अब तक की सबसे बड़ी हार थी। इसके बाद ही मेसी ने बार्सिलोना से अलग होने का फैसला कर लिया था। उन्होंने फैक्स भेजकर क्लब को यह जानकारी भी दे दी थी।

वे टीम के प्री-सीजन ट्रेनिंग सेशन से पहले कोरोना टेस्ट कराने भी नहीं पहुंचे थे। लेकिन बार्सिलोना के मैनजेमेंट ने उन्हें साफ कर दिया था

कि अगर वह इस क्लब को छोड़कर जाना चाहते हैं, तो उन्हें पहले 700 मिलियन यूरो (करीब 6 हजार करोड़ रुपए) चुकाने होंगे।

कानूनी पचड़े से बचने के लिए मेसी ने फैसला बदला

हर्जाने की रकम को लेकर क्लब और मेसी के बीच विवाद बढ़ने पर उनके पिता और एजेंट जॉर्ज की बार्सिलोना क्लब के डायरेक्टर जोसेप मारिया मार्तोमेउ से कई दौर की मीटिंग हुई। इसके बाद मेसी ने एक साल और क्लब के साथ खेलने का फैसला किया।

ला लिगा में बार्सिलोना का पहला मैच 27 सितंबर को

मेसी 2020-21 सीजन की शुरुआत अगले हफ्ते जिरोना के खिलाफ मैच से कर सकते हैं। अगर वे यह मैच खेलते हैं, तो चैम्पियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में बार्यन म्यूनिख के खिलाफ मिली 2-8 की हार के बाद यह उनका पहला मैच होगा। ला लिगा के नए सीजन में बार्सिलोना का पहला मुकाबला 27 सितंबर को विलारियल से होगा।

बार्सिलोना को 4 बार चैम्पियंस लीग चैम्पियन बनाया

मेसी ने बार्सिलोना को 10 ला लिगा और 4 चैम्पियंस लीग समेत 34 खिताब जिताए हैं। मेसी 30 जून को ही 700 गोल करने वाले दुनिया के 7वें खिलाड़ी बने हैं। इसमें क्लब के लिए 630 और अपने देश अर्जेंटीना के लिए 70 गोल शामिल हैं। सबसे ज्यादा 805 गोल का रिकॉर्ड ऑस्ट्रिया के जोसेफ बिकन के नाम है।

27 सितंबर से फ्रेंच ओपन शुरू होगा, हर पांचवें दिन खिलाड़ियों का टेस्ट होगा

इस बार फर्स्ट राउंड में हारने वाले प्लेयर्स के लिए पिछले साल के मुकाबले प्राइज मनी 30त बढ़ा दी गई।

नई दिल्ली | एजेंसी।

फ्रांस में कोरोनावायरस के बढ़ते मामलों के बावजूद इस महीने के आखिर में शुरू होने वाले फ्रेंच ओपन में दर्शकों को स्टेडियम में आने की इजाजत रहेगी। टूर्नामेंट के ऑर्गेनाइजर्स ने सोमवार को यह जानकारी दी। ऑर्गेनाइजर्स ने क्ले कोर्ट के इस इकलौते ग्रैंड स्लैम के लिए हेल्थ प्रोटोकॉल भी जारी किए। इसके तहत खिलाड़ियों का हर पांचवें दिन कोरोना टेस्ट होगा। अब हर खिलाड़ी को 71 हजार डॉलर (52 लाख रुपए) मिलेंगे। **कोरोना के कारण फ्रेंच ओपन को 4 महीने के लिए टाला गया**

यह टूर्नामेंट हर साल मई में खेला जाता है, लेकिन कोरोनावायरस के कारण इसे 4 महीने के लिए टाल दिया गया था। अब यह 27 सितंबर से खेला जाएगा।

स्टेडियम में रोज 20 हजार दर्शक आ सकेंगे

फ्रेंच टेनिस फेडरेशन के अध्यक्ष बर्नार्ड जियूडिसेल्ली ने कहा कि यह टेनिस की बहाली के बाद पहला टूर्नामेंट होगा, जिसमें दर्शक मौजूद

होंगे। सरकार की नई गाइडलाइन के मुताबिक, पेरिस जैसे शहर में किसी भी तरह के स्पोर्ट्स, कल्चरल इवेंट में 5 हजार दर्शक मौजूद रह सकते हैं। फेडरेशन ने इसी हिसाब से फ्रेंच ओपन के लिए प्लान तैयार किया है।

स्टेडियम को तीन जोन में बांटा जाएगा

फेडरेशन स्टेडियम की कैपेसिटी के 50 से 60 फीसदी यानी रोजाना 20 हजार दर्शकों की अगवानी करना चाहता है। स्टेडियम को तीन जोन में बांटा जाएगा और दर्शक भी उस हिसाब से बटेंगे।

खिलाड़ियों का हर पांचवें दिन कोरोना टेस्ट होगा

ऑर्गेनाइजर्स ने कहा कि सभी खिलाड़ियों की कोरोना जांच कराई जाएगी और रिपोर्ट निगेटिव आने पर ही वे खेल सकेंगे। उनकी 72 घंटे के भीतर दोबारा जांच होगी और हर पांचवें दिन कोरोना टेस्ट होगा। खिलाड़ियों को दो होटलों में ठहराया जाएगा। स्टेडियम में आने वाले व्यक्ति को मास्क पहनना जरूरी होगा। टूर्नामेंट से जुड़े हर व्यक्ति का बायो सिक्योर बबल में आने से पहले कोरोनावायरस टेस्ट होगा, निगेटिव आने के बाद ही उसे एंट्री मिलेगी।

फर्स्ट राउंड की प्राइज मनी में इजाफा

ऑर्गेनाइजर्स ने आर्थिक तंगी झेल रहे खिलाड़ियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए इस बार पहले दौर की प्राइज मनी में 30 फीसदी का इजाफा किया है। इस बार टूर्नामेंट के फर्स्ट राउंड में हारने वाले खिलाड़ी को भी 71 हजार अमेरिकी डॉलर (करीब 52 लाख रुपए) मिलेंगे। वहीं, क्वालिफाई करने वाले खिलाड़ियों को भी पिछले साल के मुकाबले 27 फीसदी ज्यादा प्राइज मनी मिलेगी। क्वालिफिकेशन के पहले राउंड में हारने वाले प्लेयर्स को 11 हजार 800 अमेरिकी डॉलर (8.67 लाख रुपए) मिलेंगे।

राफेल नडाल डिफेंडिंग चैम्पियन हैं

पिछले साल स्पेन के राफेल नडाल ने मेंस कैटेगरी में फ्रेंच ओपन जीता था। उन्होंने फाइनल में डोमिनिक थिएम को हराया था। यह उनका 12वां खिताब था। महिला कैटेगरी में मौजूदा वर्ल्ड नंबर-1 ऑस्ट्रेलिया की एश्ले बार्टी ने अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीता था। उन्होंने फाइनल में चेक गणराज्य की 19 साल की खिलाड़ी मार्केटा वोंद्रोसोवा को शिकस्त दी थी। हालांकि, बार्टी इस साल कोरोना के कारण फ्रेंच ओपन नहीं खेलेंगी।

फ्रांस में 30 हजार कोरोना केस

फ्रांस में कोरोनावायरस से 30 हजार से अधिक मौतें हो चुकी हैं और बीते शुक्रवार को संक्रमण के आठ हजार मामले दर्ज हुए थे।

रिया चक्रवर्ती बोलीं-सुशांत ने मुझे ड्रग्स लेने को मजबूर किया

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) सुशांत सिंह राजपूत के केस में ड्रग चौट के मामले में रिया चक्रवर्ती से मंगलवार को लगातार तीसरे दिन पूछताछ करेगा। सोमवार को भी रिया चक्रवर्ती से लंबी पूछताछ हुई थी। रिया चक्रवर्ती से सोमवार को भी लगातार 8 घंटे पूछताछ की गई थी। इस लंबी पूछताछ में रिया अपनी बात पर अड़ी रही हैं कि उन्होंने सुशांत के लिए ड्रग्स खरीदे लेकिन कभी उनका सेवन नहीं किया है। एनसीबी से रिया चक्रवर्ती से लगातार पूछताछ कर रही है। अब सूत्रों के हवाले से खबर आ रही है कि रिया ने यह मान लिया है कि उन्होंने भी ड्रग्स लिया था। इससे पहले रिया ने कहा था कि उन्होंने सुशांत के लिए ड्रग्स खरीदा था लेकिन कभी इस्तेमाल नहीं किया। अब खबर आ रही है कि रिया ने मान लिया है कि उन्होंने ड्रग्स लिया था और इसके लिए सुशांत सिंह राजपूत ने मजबूर किया था। ड्रग चौट केस में एनसीबी को रिया ने अभी तक यही बताया है कि वह सुशांत के लिए ड्रग्स खरीदती थीं लेकिन उन्होंने कभी इसका इस्तेमाल नहीं किया है। हालांकि सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार की पूछताछ में रिया ने यह माना है कि शायद उन्होंने कुछ बार गांजे का जॉइंट लिया हो। एनसीबी को पता चला है कि रिया ने पिछले 2 सालों में काफी पार्टी की है तो संभव है कि उन्होंने ड्रग्स भी लिया हो। सुशांत केस में ड्रग ऐंगल से जांच कर रही एनसीबी की टीम सुशांत के कुक नीरज के बारे में सीबीआई से जानकारी चाहती है। बता दें कि सीबीआई की पूछताछ में नीरज ने कहा था कि उन्होंने सुशांत के लिए गांजे के जॉइंट बनाए थे। एनसीबी नीरज के बयान की डीटेल चाहती है। लगातार 2 दिन पूछताछ करने के बाद भी एनसीबी ने रिया को गिरफ्तार नहीं किया है। तीसरे दिन भी पूछताछ के लिए एनसीबी ने रिया चक्रवर्ती को 10 बजे तक ऑफिस में पेश होने का आदेश दिया है। रिया से सोमवार को मुंबई यूनिट के हेड समीर वानखेड़े और दिल्ली यूनिट के हेड केपीएस मल्होत्रा ने सवाल-जवाब किए। इसके अलावा रिया को बाकी सभी आरोपी शौविक चक्रवर्ती, दीपेश सावंत और सैमुअल मिरांडा के सामने बैठाकर पूछताछ की गई। रिया ने अपनी पूछताछ में सभी आरोपों को खारिज किया है। सुशांत सिंह राजपूत केस में रिया चक्रवर्ती की ओर से सोमवार को बांद्रा पुलिस स्टेशन में सुशांत की बहन प्रियंका और दिल्ली के एक मशहूर डॉक्टर के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है। रिया ने सुशांत की बहन और डॉक्टर पर सुशांत को फर्जी मेडिकल प्रिस्क्रिप्शन पर दवाएं देने का आरोपी बनाया गया है। हालांकि मुंबई पुलिस के पीआरओ ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक रिया के इस केस को सीबीआई को ट्रांसफर किया जा रहा है।रिया की गिरफ्तारी क्यों नहीं हुई, इसको लेकर दो बातें सामने आ रही हैं। पहली बात यह है कि एनसीबी रिया को गिरफ्तार करने से पहले पुख्ता सबूत जुटाना चाहती है। दो दिनों में करीब 14 घंटों की पूछताछ में रिया ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज किया है। रिया ने दूसरे दिन भी यही कहा कि उन्होंने कभी खुद ड्रग्स नहीं लिए, न ही कभी ड्रग्स खरीदा है या ड्रग्स को छुआ है। सोमवार को 67 एनडीपीएस ऐक्ट के तहत रिया का बयान दर्ज किया

मनाली में कंगना के घर पहुंची सीआरपीएफकी टीम, ऐक्ट्रेस को सुरक्षा घेरे में लिया

कंगना रनौत और महाराष्ट्र सरकार के बीच अब जैसे आर-पार की लड़ाई शुरू हो गई है। एक ओर जहां शिवसेना ने उन्हें मुंबई नहीं आने की धमकी दी है, वहीं मंगलवार को बीएमसी ने कंगना के दफ्तर को सील कर दिया है। इस बीच मनाली में कंगना के घर सीआरपीएफ की टीम पहुंची है। धमकियों और चेतावनी के बीच कंगना को केंद्र सरकार ने वाई कैटेगिरी की सुरक्षा दी है। सीआरपीएफकी टीम ने कंगना को सुरक्षा घेरे में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक, कंगना के घर पर उनकी सुरक्षा को लेकर कुछ अधिकारी भी पहुंचे हैं और एक मीटिंग भी हो रही है। शिवसेना ने कंगना को मुंबई नहीं आने की धमकी दी है, जबकि वह 9 सितंबर को मुंबई पहुंचने वाली हैं। मंगलवार सुबह मुंबई के पाली हिल इलाके में भी खूब हलचल हुई। वहां बृहन मुंबई म्युनिसिपल कार्पोरेशन ने कंगना के ऑफिस के बाहर निर्माण में नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए नोटिस चिपका दिया है। कंगना का दफ्तर सील कर दिया गया है। इसमें कहा गया है कि यदि रेनोवेशन नहीं रोका जाता है तो इसे तोड़ दिया जाएगा। डेप्युटी म्युनिसिपल कमिश्नर के मुताबिक, सोमवार को कुछ अधिकारी कंगना के दफ्तर गए थे। ये अधिकारी अवैध निर्माण की जांच की एक नियमित प्रक्रिया के तहत पहुंचे थे। उस इलाके के कई और हाउसेज को भी देखा गया है। कंगना ने ट्वीट कर जानकारी भी दी थी कि अधिकारी दफ्तर आकर माप जोख कर रहे हैं। कंगना ने यह आशंका भी जताई थी कि उनका यह सपना बीएमसी वाले तोड़ देंगे। बीते दिनों कंगना ने मुंबई पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे और कहा था कि उन्हें मुंबई से डर लगात है कि क्योंकि वहां हालात पीओके जैसे हो गए हैं। कंगना के इस बयान से महाराष्ट्र शासन और प्रशासन दोनों में नाराजगी है। इस बीएमसी ने यह भी कहा है कि यदि कंगना 7 दिनों से ज्यादा समय के लिए मुंबई आ रही हैं तो उन्हें क्वॉरंटीन कर दिया जाएगा।

दीपिका सिंह ने शानदार अंदाज में किया ओडिसी डांस

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस दीपिका सिंह अपनी एक्टिंग के साथ-साथ इन दिनों अपने डांस को लेकर भी खूब सुर्खियों में हैं. दीपिका सिंह के डांस वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहे हैं. उनके इन वीडिको को देखकर कहा जा सकता है कि एक्ट्रेस एक बेहतरीन डांसर भी हैं. दीपिका सिंह का एक वीडियो लोगों का खूब ध्यान खींच रहा है, जिसमें वह ओडिसी डांस करती हुई नजर आ रही हैं. इस वीडियो को एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट से शेयर किया है. दीपिका सिंह का यह वीडियो भले ही पुराना हो, लेकिन फैंस यह लोगों का खूब ध्यान खींच रहा है. दीपिका सिंह वीडियो में पिंक साड़ी में ओडिसी डांस करती हुई नजर आ रही हैं. इस वीडियो में उनके डांस स्टेप के साथ-साथ उनके एक्सप्रेशंस भी काफी कमाल के लग रहे हैं. वीडियो को देखकर फैंस भी उनकी खूब तारीफें कर रहे हैं. इस वीडियो को एक्ट्रेस ने वर्ल्ड डांस डे पर शेयर किया था, जिसे अभी तक करीब 1 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है. बता दें कि यह पहली बार नहीं है जब दीपिका सिंह के वीडियो ने लोगों का इस कदर ध्यान खींचा हो. इसके अलावा भी दीपिका सिंह ने अपने कई वीडियो से खूब धमाल मचाया था. दीपिका सिंह के करियर की बात करें तो उन्होंने स्टार प्लस पर आने वाले सीरियल दीया और बाती हम से खूब नाम कमाया है. इस सीरियल में एक्ट्रेस ने अनस खान के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी. दीया और बाती हम में संध्या राठी के रूप में दर्शकों ने दीपिका सिंह को काफी पसंद भी किया था. इसके अलावा दीपिका सिंह ने सीरियल कवच में भी मुख्य भूमिका निभाई थी. खास बात तो यह है कि इस सीरियल में भी एक्ट्रेस का नाम दीपिका था. इससे इतर इन दिनों दीपिका सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अकसर अपनी फोटो और वीडियो साझा कर फैंस से जुड़ी रहती हैं.

अंकिता लोखंडे ने सुशांत के इस सपने को पूरा करने का बीड़ा उठाया, फैंस से भी की अपील

बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत को ढाई महीने से ज्यादा का समय बीत चुका है। लेकिन उनके मौत के पीछे का सच अभी तक सामने नहीं आया है। सुशांत सिंह राजपूत अपनी जिंदगी में बहुत सी चीजें करना चाहते थे जिनकी लिस्ट उन्होंने बनाई थी। हालांकि उसमें से सुशांत ने कुछ सपनों को पूरा किया था लेकिन कुछ को वह पूरा नहीं कर पाए और इस दुनिया से चले गए। बता दें कि सुशांत का परिवार और अंकिता लोखंडे उनके सभी बचे हुए सपनों को पूरा अब करना चाहते हैं। सुशांत के सपनों में से एक सपना था 1000 पेड़ लगाने का जिसे अब यह लोग पूरा करेंगे। दरअसल सुशांत के इस सपने को पूरा करने के लिए उनकी बहन श्वेता ने लोगों से अपील की है वह पेड़ लगाएं और उनका यह अधूरा सपना पूरा करें। बता दें कि अंकिता लोखंडे ने पौधे खरीदे हैं सुशांत के इस सपने को पूरा करने के लिए। सोशल मीडिया पर अंकिता का एक वीडियो वायरल हो रहा है उसमें वह पौधे खरीदती हुई अपनी मां के साथ दिखाई दे रही हैं। अंकिता ने कहा, सबको मैसेज दो, पौधे लगाओ। सुशांत के 50 सपनों में से एक सपना यह था कि वह 1000 पौधे लगाएंगे और इस सपने को पूरा करने के लिए मैंने अपने घर से शुरुआत की है और मैं आशा करती हूं कि सभी पौधे लगाएंगे। बता दें कि शो पवित्र रिश्ता अंकिता लोखंडे के दिल के बहेद करीब है। यही शो था जिसके दौरान सुशांत सिंह राजपूत और उनकी मुलाकात हुई थी। अंकिता और सुशांत ने इस शो में साथ काम किया था और पॉप्युलैरिटी दोनों को मिली थी। दोनों की जोड़ी को शो में बहुत पसंद किया गया था।बता दें कि एक बार फिर से इस शो को टीवी पर प्रसारित किया गया है। अंकिता ने इस शो का पहला ऐपिसोड इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा, फिर एक बार। पवित्र रिश्ता हर रोज दोपहर 5 बजे से शाम 6 बजे तक जी टीवी पर दिखाया जाएगा।

संदीप सिंह की सुशांत के निधन के बाद बहन मीतू से बात, चौट स्क्रीनशॉट हुए वायरल

सुशांत सिंह राजपूत की मौत में आए दिन हैरान करने वाले खुलासे हो रहे हैं। इस मामले की जांच सीबीआई, ईडी और एनसीबी तीनों कर रहे हैं। बता दें कि डायरेक्टर और दिवंगत अभिनेता के दोस्त सुशांत सिंह राजपूत के बाद सीबीआई के निशाने पर वह भी आ गए हैं। बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद संदीप उनके घर, पोस्टमार्टम और अंतिम संस्कार इन सभी में शामिल रहे थे। सोशल मीडिया पर कई भावुक पोस्ट सुशांत की मौत के बाद संदीप सिंह ने शेयर किए थे। उन्हीं पोस्ट से पता चला था कि दोनों के बीच बहुत अच्छी दोस्ती थी। इसी बीच ये सवाल भी सामने आए कि सुशांत के घरवालों से संदीप की कभी मुलाकात नहीं हुई थी तो परिवार की ओर इतनी सहानुभूति कैसे। इन सभी बातों के पीछे यही कहा जा रहा है कि उनका कोई मकसद हो सकता है या फिर कोई बात छुपाने की कोशिश हो रही है। हालांकि इन सभी बातों पर संदीप ने चुप्पी तोड़ते हुए इंस्टाग्राम पर कुछ व्हाट्सएप चौट शेयर की हैं जो सुशांत की बहन मीतू सिंह और एंबुलेंस ड्राइवर के साथ की हैं। संदीप ने इंस्टा पर पहला पोस्ट करते हुए लिखा, सॉरी भाई,मेरी खामोशी ने 20 साल से बनाई मेरी इमेज और परिवार को टुकड़ों में बांट दिया है। मुझे नहीं पता था कि आजकल के समय में दोस्ती को सर्टिफिकेट चाहिए होता है। आज मैं हमारे पर्सनल चौट्स को पब्लिक के सामने रख रहा हूं, क्योंकि यही एक आखिरी जरिया है हमारे रिश्ते को साबित करने का। संदीप ने दूसरे पोस्ट में कहा, 14 जून को जब मैंने तुम्हारे बारे में सुना, मैं खुद को रोक नहीं पाया और तुम्हारे घर की ओर दौड़ पड़ा पर वहां मीतू दीदी के अलावा किसी को ना देखकर शॉक्ड रह गया।

मैं आज भी सोच रहा हूं कि वहां उस वक्त तुम्हारी बहन के साथ उस मुश्किल घड़ी में खड़ा रहकर मैंने गलती की या मुझे तुम्हारे दोस्तों के आने का इंतजार करना चाहिए था। संदीप ने तीसरे पोस्ट में कहा, सभी लोग कह रहे हैं कि तुम्हारा परिवार मुझे नहीं जानता था। हां ये सच है। मैं कभी तुम्हारे परिवार से नहीं मिला। लेकिन शहर में शोक मनाती एक अकेली बहन को भाई के अंतिम संस्कार में मदद करना क्या मेरी गलती थी?एंबुलेंस ड्राइवर के बयान के बाद भी उसके साथ हुई मेरी बातचीत पर उठ रहे सवालों को खत्म करने के लिए मैं बस इतना कहना चाहूंगा। बस मुझपर लगाए गए मॉरिशस की कहानी की अटकलों को खत्म करना चाहता हूं जो कि ईर्ष्या के कारण मेरी सेल्फ मेड इमेज को खराब करने के लिए गढ़ी गई है। मॉरिशस पुलिस की ओर से दिया लेटर शेयर कर रहा हूं। वहां ऐसा कोई केस कभी फाइल नहीं हुआ है।

बता दें कि सुशांत चौट्स के सामने आने के बाद पता लगता है कि सुशांत के पोस्टमार्टम से लेकर उनके डेथ सर्टिफिकेट का सारा काम संदीप ने ही देखा था। हालांकि खबरों की मानें तो यह भी कहा जा रहा था कि इस मामले पर मीतू से भी संदीप ने बात की है।

सुशांत ने सारा अली खान को प्रोपोज करने की बनाई थी प्लानिंग, इस वजह से चकना-चूर हो गए सपने

दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत का नाम बहुत बार सारा अली खान के साथ रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहा है। ये दोनों स्टार एक साथ फिल्म केदारनाथ में नजर आए थे और जब से ही इनके अफेयर की खूब चर्चा होने लगी थी। वहीं खबर तो यह खूब उड़ी थी कि सारा और सुशांत ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू कर दिया था। अब जब सुशांत इस दुनिया में नहीं रहे और उनके केस में रोजाना नई-नई बातें निकालकर सामने आ रही हैं तो ऐसे में सुशांत के फॉर्महाउस केयर टेकर रईस ने भी सारा अली खान और सुशांत के रिश्ते को लेकर कई बड़े हैरान कर देने वाले दावे किए हैं। दरअसल सुशांत सिंह राजपूत के फॉर्महाउस केयर टेकर रईस ने आईएनएस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि सारा अली खान का साल 2018 से ही सुशांत सिंह के साथ फॉर्महाउस पर आना-जाना होने लगा था। इतना ही नहीं दोनों जब कभी फॉर्म पर आते थे तब दोनों उधर 3 से 4 दिन तो जरूर रुकते थे। वहीं दिसंबर 2018 में थाईलैंड ट्रिप से वापस आने के बाद सुशांत और सारा सीधे एयरपोर्ट से फॉर्म पर ही आए,उस समय रात के करीब 10-11 बज रहे थे और उनके साथ में उनका एक दोस्त भी था। रईस ने आगे बताया कि सारा का फॉर्म के सभी वर्कर्स के प्रति व्यवहार बहुत अच्छा था। सारा काफी सिंपल नेचर की हैं। इस दौरान दिल छू देने वाली बात यह थी अभिनेत्री फॉर्महाउस पर काम करने वाली आंटी को सुशांत सर की तरह ही मौसी कहती थीं। साथ ही मुझे वो रईस भाई कहकर बुलाती थीं। वैसे रईस ने इंटरव्यू में यह दावा भी किया है कि सुशांत अभिनेत्री सारा अली खान को प्रपोज करने की प्लान बना रहे थे। सुशांत सर, मैम को अपने दमन ट्रिप के वक्त ही प्रपोज करने की सोच रहे थे और इसी के साथ वो सारा को कोई गिफ्ट भी देना चाहते थे। इसके लिए सर ने सारा मैम के लिए कुछ ऑर्डर भी किया था,मगर ट्रिप पोस्टपोन हो गया। इसके बाद सुशांत ने फिर केरल का भी ट्रिप बनाया,परंतु वहां पर भी दोनों साथ में नहीं जा सके। इसके बाद मुझे ये मालूम हुआ कि साल 2019 के फरवरी या मार्च महीने में उनका ब्रेकअप हो गया। जिसके बाद सारा अली खान जनवरी 2019 के बाद फार्महाउस कभी दोबारा नहीं आई।

सपना चौधरी ने बुराई करने वालों को सुनाई खरी-खोटी

पहचाना जाता है. उतनी ही खास पहचान वह अपने तीखे तेवरों की वजह से भी रखती हैं. सपना चौधरी ने अपने तीखे तेवरों से रू-ब-रू जहां टीवी रियलिटी शो बिग बॉस में कराया तो वहीं वह समय-समय पर अपने सोशल मीडिया एकाउंट पर भी दिखाती रहती हैं. सपना चौधरी ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर कुछ बहुत ही ग्लैमरस फोटो शेयर की हैं और उसके साथ ही उन्होंने उन लोगों को अपने निशाने पर भी लिया है सपना चौधरी की इस पोस्ट को टीवी एक्ट्रेस हिना खान ने भी लाइक किया है.

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक
स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।
संपादक- कंचन सोलंकी
TITLE CODE- UPHIN48974
Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com
नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।